website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 56 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 05 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

बजट सत्र में आज पीएम मोदी का जवाब, चीनी टैंक मुद्दे पर हंगामे के बाद 8 सांसद निलंबित

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र का बुधवार को छठा दिन है और आज का दिन राजनीतिक लिहाज़ से काफी अहम माना जा रहा है। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर चल रही चर्चा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम करीब 5 बजे सदन में जवाब दे सकते हैं। पिछले दो दिनों से सदन की कार्यवाही विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामे के कारण प्रभावित रही है। खासतौर पर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए "चीनी टैंक घुसपैठ" के मुद्दे पर विवाद ने माहौल को और गरमा दिया है। लोकसभा में 2 फरवरी से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा जारी है। परंपरा के मुताबिक इस चर्चा के अंत में प्रधानमंत्री सदन में जवाब देते हैं और सरकार का पक्ष विस्तार से रखते हैं। माना जा रहा है कि अपने जवाब में पीएम मोदी सरकार की उपलब्धियों, आर्थिक नीतियों, सुरक्षा मुद्दों और विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देंगे। पिछले दो दिन सदन में हंगामे के नाम रहे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सदन में बोलते हुए चीन से जुड़ी घुसपैठ और सीमा सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व आर्मी चीफ की एक अनपब्लिश्ड (अप्रकाशित) किताब के लेख का हवाला देते हुए अपनी बात रखने की कोशिश की। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें अपनी बात पूरी रखने दी जाए। इस पर एनडीए के सांसदों ने आपत्ति जताई और जोरदार टोका-टोकी शुरू हो गई। हंगामा बढ़ने पर स्पीकर कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने राहुल गांधी को रोक दिया और अन्य पार्टियों के सांसदों को बोलने का मौका देने की बात कही। लेकिन विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया और कहा कि पहले राहुल गांधी को बोलने दिया जाए। इसके बाद विपक्ष के कई सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। माहौल इतना गरमा गया कि कुछ सांसदों ने स्पीकर की चेयर की तरफ कागज़ भी उछाले। स्थिति बिगड़ती देख पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने सख्त कदम उठाते हुए 8 सांसदों को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई के बाद विपक्ष ने सरकार पर आवाज दबाने का इल्ज़ाम लगाया, जबकि सत्ता पक्ष ने इसे सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए जरूरी बताया। इस बार बजट सत्र कुल 65 दिनों की अवधि में 30 बैठकों तक चलेगा और इसका समापन 2 अप्रैल को होगा। सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा। इस दौरान कई अहम विधेयकों और रिपोर्टों पर चर्चा की संभावना है। लोकसभा में इस समय 9 महत्वपूर्ण विधेयक लंबित हैं। इनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 जैसे बड़े बिल शामिल हैं। फिलहाल ये विधेयक संसदीय स्थायी समितियों या प्रवर समितियों के पास जांच के लिए भेजे गए हैं। उनकी रिपोर्ट आने के बाद ही इन्हें सदन में चर्चा और पारित करने के लिए लाया जाएगा। बुधवार की कार्यसूची में सार्वजनिक लेखा समिति (PAC) 2025-26 की कई अहम रिपोर्टें पेश की जानी हैं। सांसद जय प्रकाश और बालाशौरी वल्लभनेनी ये रिपोर्ट सदन में रखेंगे। इन रिपोर्टों में रेलवे, OCI कार्ड शुल्क, विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े मामलों की जांच शामिल है। रेलवे से जुड़ी रिपोर्ट में यह जांच की गई है कि भारतीय रेलवे की ट्रेनें समय पर चल रही हैं या नहीं, और यात्रियों को तय समय में सफर की सुविधा मिल रही है या नहीं। यह PAC की 36वीं रिपोर्ट है, जिसमें समय पालन और यात्रा अवधि से जुड़े आंकड़ों का जायजा लिया गया है। OCI (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्ड शुल्क पर भी PAC ने सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्क तय करते समय गलत विनिमय दर (एक्सचेंज रेट) लागू करने से सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ। इस गड़बड़ी की वजह और जिम्मेदारी तय करने की सिफारिश भी की गई है। विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना को लेकर भी अनियमितताओं का जिक्र है।

मणिपुर को नया नेतृत्व:

-युमनाम खेमचंद सिंह होंगे 13वें मुख्यमंत्री, भाजपा विधायक दल ने चुना नेता

इम्फाल । मणिपुर की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह को राज्य का विधायक दल नेता चुना गया है और वे अब मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। मंगलवार को हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी। इसके बाद राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। संभावना है कि शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को आयोजित हो सकता है। इस अहम बैठक में भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक तरुण चुग और संबित पात्रा भी मौजूद रहे। साथ ही मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने भी बैठक में हिस्सा लिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नई सरकार के गठन में सामाजिक संतुलन और सामुदायिक प्रतिनिधित्व पर खास ध्यान दिया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए पार्टी डिप्टी सीएम पद उस समाज के किसी विधायक को दे सकती है। बताया जा रहा है कि 10 कुकी विधायकों में से एक को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। इससे राज्य में सामाजिक भरोसा मजबूत करने और सियासी स्थिरता लाने की कोशिश होगी। मणिपुर में पिछले साल राजनीतिक अस्थिरता के चलते राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था, जिसके चार दिन बाद यानी 13 फरवरी 2025 से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो गया। अब 12 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति शासन खत्म हो रहा है, ऐसे में नई सरकार का गठन संवैधानिक रूप से जरूरी हो गया है। सरकार गठन की प्रक्रिया को तेज करने के लिए एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात दिल्ली पहुंचे थे, जबकि बाकी विधायक भी सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। वहां शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद विधायक दल की बैठक बुलाई गई, जिसमें खेमचंद सिंह के नाम पर मुहर लगी। युमनाम खेमचंद सिंह सिर्फ एक सियासी नेता ही नहीं, बल्कि खेल और मार्शल आर्ट्स की दुनिया में भी खास पहचान रखते हैं। वे पारंपरिक ताइक्वांडो में 5th डैन ब्लैक बेल्ट हासिल करने वाले भारतीय हैं। उन्हें यह सम्मान 30 दिसंबर 2025 को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में ग्लोबल ट्रेडिशनल ताइक्वांडो फेडरेशन (GTTF) के दफ्तर में दिया गया। ताइक्वांडो और अन्य मार्शल आर्ट्स में "डैन" का मतलब ब्लैक बेल्ट के स्तर से होता है। ब्लैक बेल्ट मिलने के बाद आगे की सभी उन्नत रैंक को डैन कहा जाता है। 5th डैन हासिल करना बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, जो लंबे अभ्यास, अनुशासन और तकनीकी महारत के बाद मिलती है। इस तरह खेमचंद सिंह की छवि एक अनुशासित, प्रशिक्षित और संतुलित व्यक्तित्व वाले नेता की बनती है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि उनके नेतृत्व में मणिपुर में राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक मेल-जोल और विकास की रफ्तार किस तरह आगे बढ़ती है।

उत्तर भारत में सर्दी का कहर:

-7 राज्यों में घना कोहरा, कई शहरों में विजिबिलिटी जीरो, दिल्ली में तेज आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली । उत्तर भारत के कई राज्यों में सर्दी ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत करीब 7 राज्यों में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई शहरों में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई है। अंबाला, कानपुर, बरेली और ग्वालियर जैसे शहरों में सुबह के समय हालात इतने खराब रहे कि सड़क और रेल यातायात पर भी असर पड़ा। मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज आंधी और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में ठंड लगातार बनी हुई है। पहाड़ी इलाकों में हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के ज्यादातर जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। बर्फीली हवाओं का असर अब मैदानी इलाकों तक साफ दिखाई दे रहा है। सुबह के समय घना कोहरा सबसे ज्यादा परेशानी का कारण बन रहा है। कई जगहों पर विजिबिलिटी जीरो दर्ज की गई, जिससे हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी करनी पड़ी। फ्लाइट और ट्रेन सेवाओं पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है। ड्राइवरों को दिन में भी हेडलाइट जलाकर चलना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स ने लोगों को गैर-जरूरी यात्रा से बचने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने अचानक करवट ली है। मौसम विभाग ने 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने और कुछ इलाकों में बिजली गिरने की आशंका जताई है। हरियाणा और चंडीगढ़ में भी ऐसे ही हालात बन सकते हैं। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी भी सर्दी को और बढ़ा सकती है। आने वाले 7 दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तीन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) से प्रभावित रहेगा। इसका मतलब है कि पहाड़ी इलाकों में फिर से बर्फबारी हो सकती है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में बारिश, ओले और ठंडी हवाएं चलने का अंदेशा है। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक मौसमी सिस्टम है जो भूमध्यसागर क्षेत्र से पैदा होता है और पश्चिमी हवाओं के साथ भारत की ओर बढ़ता है।

तीन साल में चीन की सेना में बड़ा शुद्धिकरण:

-30 से ज्यादा जनरल हटे, जिनपिंग की वफादारी मुहिम तेज

बीजिंग (एजेंसी) । चीन की सेना में पिछले तीन वर्षों के दौरान बड़े पैमाने पर नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है, जिसे आधुनिक चीनी सैन्य इतिहास का सबसे व्यापक पुनर्गठन माना जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस अवधि में 30 से अधिक जनरल और एडमिरल को या तो पद से हटा दिया है या वे रहस्यमय तरीके से सार्वजनिक जीवन से गायब हो गए हैं। इस कदम को आधिकारिक तौर पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा बताया गया है, लेकिन कई विश्लेषकों का मानना है कि यह सेना के भीतर वफादारी सुनिश्चित करने की रणनीति भी है। शी जिनपिंग ने 2023 में सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (CMC) का पुनर्गठन किया था, जो चीन की सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। इस नई संरचना में शामिल कई वरिष्ठ अधिकारियों को बाद में हटा दिया गया या वे जांच के दायरे में आ गए। बताया जाता है कि अब उस समय के शीर्ष सैन्य नेतृत्व में से बहुत कम अधिकारी सक्रिय भूमिका में बचे हैं। हटाए गए अधिकारियों में उच्च स्तर के कमांडर और रणनीतिक जिम्मेदारी संभालने वाले जनरल भी शामिल हैं। इनमें वे अधिकारी भी रहे, जिन पर सेना की युद्ध तैयारी और आधुनिकीकरण का दायित्व था। कुछ मामलों में भ्रष्टाचार, रक्षा सौदों में अनियमितता और अनुशासनहीनता के आरोप सामने आए हैं। हालांकि, कई मामलों में आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किए गए, जिससे अटकलों को बल मिला है।

SIR पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई:

-ममता बनर्जी पहुंचीं, 2026 चुनाव पुरानी वोटर लिस्ट से कराने की मांग

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) यानी मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। उनकी याचिका पर बुधवार को सुनवाई होनी है। ममता बनर्जी ने अपनी अर्जी में राज्य में चल रही वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया को चुनौती दी है और मांग की है कि वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पुरानी मतदाता सूची के आधार पर ही कराए जाएं। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट परिसर के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार ममता बनर्जी खुद भी अदालत में अपनी दलीलें पेश कर सकती हैं। उनके पास कानून की डिग्री (LLB) है और उन्होंने अपने आवेदन में यह भी कहा है कि वह अदालत की प्रक्रिया और नियमों से भलीभांति परिचित हैं। उन्होंने कलकत्ता के जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई की है। अपने आवेदन में उन्होंने लिखा है कि आर्टिकल 32 के तहत दायर इस रिट याचिका में वह सीधे तौर पर पक्षकार हैं और मामले की पूरी जानकारी रखती हैं, इसलिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से दलील रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह मामला सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच के सामने सूचीबद्ध है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। इस केस में ममता बनर्जी के अलावा मोस्तारी बानू, तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन और डोला सेन की याचिकाएं भी जुड़ी हुई हैं। सभी याचिकाओं में SIR प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं और इसे चुनाव से पहले लागू करने के समय पर आपत्ति जताई गई है। इससे पहले ममता बनर्जी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग (EC) पर भी निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले स्पेशल इंटेंसिव रिविजन शुरू करना संदेह पैदा करता है। उनका कहना है कि जिन राज्यों में जल्द चुनाव होने वाले हैं — पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम — उनमें से तीन राज्यों में SIR चल रहा है, लेकिन असम में नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि असम भाजपा-शासित राज्य है, इसलिए वहां यह प्रक्रिया लागू नहीं की गई। ममता ने यह भी दावा किया कि उन्होंने चुनाव आयोग को इस मुद्दे पर छह पत्र लिखे, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

अरब सागर में अमेरिकी कार्रवाई:

-वॉरशिप के पास पहुंचे ईरानी ड्रोन को F-35C ने मार गिराया

दुबई (एजेंसी) । अमेरिका ने अरब सागर में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। यह घटना तब हुई जब ईरान का एक शाहेद-139 ड्रोन अमेरिकी नौसेना के न्यूक्लियर पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर 'USS अब्राहम लिंकन' के काफी नजदीक पहुंच गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के हवाले से जारी जानकारी में कहा गया है कि ड्रोन की गतिविधि संदिग्ध और आक्रामक मानी गई, जिसके बाद अमेरिकी बलों ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, ड्रोन को पहले चेतावनी दी गई और उसे रास्ता बदलने के लिए नॉन-लेथल तरीकों से रोकने की कोशिश की गई, लेकिन उसने दिशा नहीं बदली। इसके बाद अमेरिकी नौसेना के F-35C फाइटर जेट ने उसे मार गिराया। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि यह कदम पूरी तरह आत्मरक्षा के तहत उठाया गया, ताकि वॉरशिप और उस पर तैनात कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। USS अब्राहम लिंकन दुनिया के सबसे बड़े और ताकतवर एयरक्राफ्ट कैरियर्स में गिना जाता है। यह परमाणु ऊर्जा से संचालित होता है और लंबे समय तक समुद्र में तैनात रह सकता है। ऐसे वॉरशिप के आसपास किसी भी अज्ञात या दुश्मन ड्रोन की मौजूदगी को गंभीर सुरक्षा खतरा माना जाता है। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इसे लेकर पहले से ही अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी बनी हुई है।

इटली के पूर्व PM मारियो द्रागी का बयान:

-मौजूदा ग्लोबल ऑर्डर खत्म, अमेरिका-चीन की नीतियों पर उठाए सवाल

ब्रसेल्स (एजेंसी)। इटली के पूर्व प्रधानमंत्री और यूरोपीय सेंट्रल बैंक के पूर्व प्रमुख मारियो द्रागी ने हाल ही में कहा कि मौजूदा "ग्लोबल ऑर्डर" अब लगभग खत्म हो चुका है। बेल्जियम की ल्यूवेन यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए अपने बयान में उन्होंने साफ कहा कि दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था जिस ढांचे पर टिकी थी, वह अब तेजी से बदल रही है। जो लोग इस व्यवस्था के टूटने की चेतावनी दे रहे हैं, वे गलत नहीं हैं। द्रागी के मुताबिक असली चिंता यह नहीं है कि पुराना ग्लोबल ऑर्डर खत्म हो रहा है, बल्कि यह है कि उसकी जगह कौन-सी नई व्यवस्था लेगी और वह कितनी स्थिर होगी। उन्होंने कहा कि यूरोप इस समय दबाव में है, क्योंकि अमेरिका का रवैया बदल गया है। अमेरिका अब यह कह रहा है कि उसने वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक सिस्टम को चलाने में बहुत ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन वह उन फायदों को नजरअंदाज कर रहा है जो उसे इस व्यवस्था से मिले। द्रागी ने चीन की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि चीन ग्लोबल सप्लाई चेन के कई अहम हिस्सों पर मजबूत पकड़ रखता है और इस ताकत का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करता है। चीन पर आरोप है कि वह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सस्ता माल डंप करता है, जिससे दूसरे देशों के उद्योग प्रभावित होते हैं। साथ ही, जरूरी सामानों की सप्लाई को कंट्रोल करके दबाव भी बनाता है।

उधमपुर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़:

-गुफा में छिपे 2 आतंकी, सेना का 'ऑपरेशन किया' जारी

उधमपुर । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब खुफिया एजेंसियों से सूचना मिली कि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े कुछ आतंकी इलाके के घने जंगल और पहाड़ी गुफाओं में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जो बाद में मुठभेड़ में बदल गया। ताजा जानकारी के मुताबिक दो आतंकी एक गुफा में छिपे हुए हैं, जबकि एक आतंकी को गोली लगने की पुष्टि हुई है। सेना की व्हाइट नाइट कोर के तहत सीआईएफ डेल्टा यूनिट, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने मिलकर यह ऑपरेशन शुरू किया। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला था कि रामनगर के जाफर जंगल और बसंतगढ़ बेल्ट में संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं। इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक रुक-रुक कर गोलीबारी चलती रही। इस दौरान एक आतंकी के घायल होने की खबर सामने आई, लेकिन वह अपने दूसरे साथी के साथ पास की एक गुफा में जाकर छिप गया। इलाके की भौगोलिक स्थिति काफी मुश्किल बताई जा रही है — घना जंगल, पहाड़ी ढलान और प्राकृतिक गुफाएं आतंकियों को छिपने का मौका देती हैं, जिससे ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण हो जाता है। शाम करीब 7:30 बजे आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर गुफा से बाहर निकलने की कोशिश की। सुरक्षाबलों को जैसे ही मूवमेंट का अंदेशा हुआ, उन्होंने फिर से फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस दौरान तेज धमाकों और लगातार गोलियों की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद ऑपरेशन को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त जवान मौके पर भेजे गए और पूरे इलाके की घेराबंदी और कड़ी कर दी गई। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह एक इंटेलिजेंस आधारित संयुक्त ऑपरेशन है, जिसे "ऑपरेशन किया" नाम दिया गया है। सेना के मुताबिक ऑपरेशन अभी जारी है और आतंकियों को जिंदा या मुर्दा पकड़ने की कोशिश की जा रही है। ड्रोन, नाइट विज़न उपकरण और आधुनिक निगरानी साधनों का इस्तेमाल भी किया जा रहा है ताकि गुफा और आसपास के क्षेत्र पर लगातार नजर रखी जा सके। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की भी जांच कर रही हैं कि आतंकी हाल ही में सीमा पार से घुसपैठ कर आए हैं या पहले से इलाके में छिपे हुए थे। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और आसपास के गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। नागरिकों को जंगल की तरफ न जाने और घरों में रहने की सलाह दी गई है। । जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ समय से आतंक विरोधी अभियानों में तेजी लाई गई है। सुरक्षाबल लगातार खुफिया सूचनाओं के आधार पर सर्च और कॉर्डन ऑपरेशन चला रहे हैं। फिलहाल पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल है, लेकिन सुरक्षाबल स्थिति पर पूरी तरह काबू में होने का दावा कर रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

आम बजट 2026: भविष्य की तस्वीर, आज की चुनौतियों से संतुलित रणनीति

केंद्र की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया आम बजट 2026 एक ऐसा आर्थिक दस्तावेज है, जो स्पष्ट रूप से भारत को आने वाले वर्षों के लिए तैयार करने का विजन प्रस्तुत करता है। यह बजट विकासोन्मुखी दृष्टिकोण, दीर्घकालिक रणनीति और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सजगता का परिचायक है, लेकिन साथ ही यह तत्कालीन आम आदमी की परेशानियों को पूरी तरह संबोधित करने में कमजोर प्रतीत होता है। वित्त मंत्री ने अपने 85 मिनट के भाषण में अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विस्तार से प्रकाश डाला। हालांकि, इनकम टैक्स स्लैब में किसी भी प्रकार के बदलाव का अभाव यह संकेत देता है कि सरकार फिलहाल वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक निवेश को प्राथमिकता दे रही है। टैक्स फाइलिंग को सरल बनाने जैसे कदम स्वागत योग्य हैं, लेकिन बढ़ती महंगाई के दौर में आम करदाता को इससे सीमित ही राहत मिलने की संभावना है। बजट का सबसे मजबूत पक्ष रक्षा क्षेत्र में नजर आता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पेश हुए इस बजट में सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं करेगा। रक्षा बजट को 6.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपये करना और हथियारों तथा आधुनिकीकरण पर पूंजीगत खर्च में लगभग 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि सरकार सेना को तकनीकी और रणनीतिक रूप से सक्षम बनाना चाहती है। यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, हालांकि सामाजिक क्षेत्रों में इसी अनुपात में खर्च न बढ़ना कुछ सवाल खड़े करता है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो बजट में बाहरी दबावों से बचने की नीति साफ दिखाई देती है। वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में तनाव और ट्रंप-युग की टैरिफ मानसिकता को ध्यान में रखते हुए निर्यात प्रोत्साहन पर जोर दिया गया है। कपड़ा, चमड़ा, फिशरीज और दालों के निर्यात को बढ़ावा देने वाले कदम ग्रामीण और अर्ध-शहरी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक साबित हो सकते हैं और इससे रोजगार सृजन की संभावनाएं भी बनेंगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में नए अस्पतालों की घोषणा, दवाओं की कीमत कम करने की पहल और 17 कैंसर दवाओं को ड्यूटी फ्री करना आम जनता के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं। आयुर्वेदिक एम्स जैसी घोषणाएं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक स्वास्थ्य ढांचे से जोड़ने की कोशिश मानी जा सकती हैं। शिक्षा और युवाओं पर केंद्रित योजनाएं बजट का एक और महत्वपूर्ण पहलू हैं। 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाने की योजना डिजिटल इंडिया और क्रिएटर इकोनॉमी के दृष्टिकोण से अहम है। इसके अलावा करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाने की घोषणा सामाजिक समावेशन और महिला शिक्षा को बढ़ावा देने का संकेत देती है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो बजट चुनावी लोकलुभावन घोषणाओं से दूर नजर आता है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी जैसे राज्यों में आगामी चुनावों के बावजूद सीधे चुनावी लाभ वाली घोषणा का अभाव यह दर्शाता है।

विकसित भारत के लिए वित्त वर्ष 2026-27 का ऐतिहासिक बजट: सुधार, रोजगार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और हरित ऊर्जा पर जोर

-आम आदमी के लिए राहत और देश के लिए तेज विकास की नई दिशा निर्देशित बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 का बजट न केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज है, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक दिशा-निर्देश और साहसिक सुधारों की तस्वीर पेश करता है। इस बजट के माध्यम से वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए सुधारों की निरंतरता को आगे बढ़ाते हुए विकास और राहत दोनों पर ध्यान केंद्रित किया है। इस बजट की विशेषता यह है कि यह आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए सुधारों का संतुलित मिश्रण पेश करता है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में बजट को तीन प्रमुख कर्तव्यों पर आधारित बताया: उत्पादकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ना – ताकि अर्थव्यवस्था की गति और स्थायित्व बना रहे। लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए क्षमता निर्माण – विशेषकर युवा, महिलाएं, किसान और छोटे व्यवसाय। सबका साथ, सबके विकास के लिए ढांचागत सुधारों के साथ प्रगति करना – ताकि विकास का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे।

रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय और विकास पर जोर

वित्त मंत्री ने बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय सुनिश्चित किया है। यह निवेश विशेषकर बुनियादी ढांचा, रेलवे, सड़कों, शहरी और ग्रामीण विकास, जलमार्ग और हाइ-स्पीड कोरिडोर के निर्माण में होगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल आर्थिक विकास को तेज करना है, बल्कि रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है। यद्यपि इस बजट में इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया, लेकिन एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य आयकर प्रणाली को सरल बनाना, टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को आसान बनाना और लाखों करदाताओं के लिए कम जटिलता और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

रोजगार और नई पीढ़ी के लिए अवसर

बजट में रोजगार सृजन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। एमएसएमई सेक्टर, शिक्षा, पर्यटन और सर्विस सेक्टर में नए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। इससे न केवल नौजवानों को रोजगार मिलेगा, बल्कि ग्रामीण और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। रियल एस्टेट और आवास क्षेत्र, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्वच्छ ऊर्जा और हरित ऊर्जा परियोजनाएं इस बजट में विशेष रूप से प्रोत्साहित की गई हैं। यह कदम भारत को विकसित और हरित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएगा।

राजकोषीय घाटा और विकास दर का संतुलन

बजट तैयार करते समय वित्त मंत्री ने राजकोषीय अनुशासन और विकास की गति के बीच संतुलन बनाए रखा।

राजकोषीय घाटा: जीडीपी का 4.3 प्रतिशत, विकास दर का लक्ष्य: 7 प्रतिशत से अधिक, यह संतुलन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक मंदी के बीच देश की आर्थिक मजबूती बनाए रखना आवश्यक है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू मजबूती

वित्त मंत्री ने बजट में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव को ध्यान में रखते हुए कई लंबी अवधि की रणनीतियां पेश की हैं। इसमें शामिल हैं: उद्यमिता और स्टार्टअप्स को बढ़ावा – छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए वित्तीय और तकनीकी मदद। कृषि विकास और ग्रामीण सुधार – खेती की उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई और वेयरहाउसिंग प्रोत्साहन। महिला और युवा सशक्तिकरण – कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और युवा कौशल विकास। हरित ऊर्जा और स्वच्छ तकनीक – जलवायु परिवर्तन के प्रति सजगता और ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग।

बुनियादी ढांचे में सुधार

बजट में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश को प्रमुखता दी गई है। इसमें शामिल हैं: रेलवे नेटवर्क का आधुनिकीकरण और उच्च गति रेल कॉरिडोर। शहरी बुनियादी ढांचे का सुधार और स्मार्ट सिटी विकास। नए राष्ट्रीय जल मार्ग और हाई-स्पीड कोरिडोर। टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के विकास के लिए विशेष प्रावधान। इन निवेशों का उद्देश्य केवल भौतिक विकास नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर व्यापार को तेज करना और राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में सुधार करना भी है।

डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

नवीनतम बजट में डिजिटल अर्थव्यवस्था को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। इसके अंतर्गत: एआई (Artificial Intelligence) और मशीन लर्निंग के लिए निवेश। डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम जो रोजगार बाजार की मांग के अनुसार हों। डिजिटल प्लेटफार्मों और स्टार्टअप्स को वित्तीय और तकनीकी सहायता। इस पहल का उद्देश्य भारत को वैश्विक एआई हब बनाना और डिजिटल अर्थव्यवस्था को तेज गति देना है।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा

वित्त मंत्री ने बजट में महिला कार्यबल की भागीदारी बढ़ाने, गरीब और किसानों के लिए राहत, और वृद्ध नागरिकों के लिए मजबूत इकोसिस्टम पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा। वित्तीय समावेशन और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना। स्वास्थ्य और पोषण में सुधार के लिए विशेष प्रावधान।

निर्यात प्रोत्साहन और वैश्विक व्यापार

बजट में निर्यात प्रोत्साहन के लिए नई रणनीति प्रस्तुत की गई है। अमेरिका के 50% टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों को राहत। यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (FTA) का लाभ उठाना। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और रोजगारोन्मुखी निर्यात क्षेत्रों को बूस्ट करना। इससे भारत को वैश्विक बाजार में निर्यात का नया हब बनने में मदद मिलेगी।

टैक्स सुधार और नई श्रम संहिताएं

इस बजट की सबसे खास विशेषता है पुराने टैक्स युग से नए टैक्स युग में संक्रमण। 1 अप्रैल 2026 से लगभग 60 साल पुराने इनकम टैक्स कानून की जगह नया कानून लागू होगा। यह नए करदाताओं के लिए सरल, पारदर्शी और कम जटिल प्रक्रिया लाएगा। नई श्रम संहिताओं के लागू होने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और श्रम उत्पादकता में सुधार होगा।

ग्रामीण और कृषि विकास

बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि विकास पर भी विशेष जोर है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने, सिंचाई और वेयरहाउसिंग में निवेश। ग्रामीण उद्यमिता और प्रशिक्षण कार्यक्रम। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आर्थिक समावेशन। इन कदमों से न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

ऊर्जा, स्वच्छता और हरित पहल

स्वच्छ और हरित ऊर्जा के लिए अधिक वित्तीय आवंटन। जलवायु परिवर्तन के प्रति सजगता। ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय स्रोतों का अधिकतम उपयोग। इन पहलों से भारत ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण दोनों में आगे बढ़ेगा।

सुरक्षा और रक्षा

बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा को भी पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है। सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए निवेश। रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भरता के लिए प्रोत्साहन।

समग्र प्रभाव और निष्कर्ष

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का यह बजट केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं है। यह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक मोड़ है। आम आदमी के लिए राहत – कर सुधार, सामाजिक सुरक्षा, महिला और युवा सशक्तिकरण। विकास के लिए साहसिक सुधार – बुनियादी ढांचा, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा। वैश्विक प्रतिस्पर्धा और निर्यात – नई रणनीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से। उम्मीद की जा सकती है कि इस बजट से भारत: वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने। वर्ष 2047 तक विकसित भारत की नींव मजबूत हो। युवाओं, किसानों, महिलाओं और आम जनता के लिए नए अवसर और राहत सुनिश्चित हो। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2026-27 का बजट विकसित भारत के निर्माण और आम आदमी के जीवन में सुधार का ऐतिहासिक दस्तावेज साबित होगा। यह बजट न केवल वर्तमान चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा।

"भारत का आर्थिक कायाकल्प: अगले दशक में डिजिटल, विनिर्माण और कौशल आधारित समावेशी विकास की दिशा"

-"औपचारिक रोजगार, महिला भागीदारी और निवेश सुधार से भविष्य के भारत की स्थायित्वपूर्ण प्रगति"

भविष्य के भारत के लिए सही रास्ता चुनना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आम तौर पर, हम किसी देश की आर्थिक प्रगति को केवल जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों से मापते हैं। लेकिन भारत के संदर्भ में ऐसा करना पूरी तस्वीर को समझने का अधूरा प्रयास ही माना जाएगा। हमारे सामने जो बदलाव आकार ले रहे हैं, वे केवल विकास की गति से नहीं बल्कि उसके स्वरूप और प्रकृति में आए परिवर्तन से जुड़े हैं। देश ने एक नाजुक और असंतुलित अर्थव्यवस्था से कदम बढ़ाकर एक ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर रुख किया है, जो पूंजीगत व्यय, डिजिटल आधारभूत ढांचे और संस्थागत क्षमताओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में राज्य क्षमता में विस्तार, सार्वजनिक वस्तुओं का निर्माण और नागरिकों तक उनकी बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उल्लेखनीय निवेश हुआ है। हालांकि, असली चुनौती यह है कि इन बुनियादी परिवर्तनों को दीर्घकालिक उत्पादकता और समावेशी लाभों में कैसे बदलें। केवल निवेश और योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है; इसे जमीन पर वास्तविक बदलाव और परिणामों में बदलना जरूरी है।

रोजगार और कौशल: औपचारिकता से गुणवत्ता की ओर

भारत में औपचारिककरण का स्तर बढ़ा है, लेकिन कौशल और रोजगार की गुणवत्ता में अभी भी कई बाधाएँ हैं। हाल के आंकड़े बताते हैं कि औसतन हर साल लगभग बीस लाख नए कर्मियों का मासिक जुड़ाव हो रहा है। यह डिजिटलीकरण और कर सुधारों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। बेरोजगारी दर लगभग पांच प्रतिशत के आसपास स्थिर रहना भी एक स्थायित्व और मजबूती का संकेत है। लेकिन केवल औपचारिक रोजगार ही पर्याप्त नहीं है। रोजगार की उत्पादकता और गुणवत्ता समान रूप से बढ़नी चाहिए। महिला रोजगार भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो उत्साहजनक है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में कम वेतन या अवैतनिक कार्यों में केंद्रित है। इसलिए अगला कदम रोजगार की गुणवत्ता और कौशल आधारित प्रगति पर होना चाहिए। इस दिशा में कौशल प्रमाणन, अप्रेंटिसशिप और उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। विशेषकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं को औद्योगिक और तकनीकी माहौल के अनुकूल बना सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि उत्पादकता में भी सुधार होगा।

विनिर्माण क्षेत्र और उद्योग नीति

विनिर्माण क्षेत्र में हाल के वर्षों की सबसे बड़ी सफलता इलेक्ट्रॉनिक्स नीति रही है। मात्र एक दशक में भारत मोबाइल फोन आयातक से घरेलू उत्पादन केंद्र के रूप में उभरा है। 2015 में 2,11,100 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और नीतिगत सहायता ने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को पिछले ग्यारह वर्षों में 14,15,000 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया। यह स्पष्ट करता है कि यदि सही नीतिगत समर्थन और निवेश मिल जाए तो भारत औद्योगिक नीति को प्रभावी रूप से लागू कर सकता है। हालांकि, यह सफलता केवल एक सीमा तक ही सीमित है। जीडीपी में विनिर्माण की हिस्सेदारी अभी भी लगभग 16 प्रतिशत है और केवल इलेक्ट्रॉनिक्स के सहारे व्यापक रोजगार सृजन संभव नहीं। टेक्सटाइल, फुटवियर और खिलौने जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में इस प्रकार की सफलता अभी प्रारंभिक अवस्था में ही दिख रही है। इसलिए राज्य प्रोत्साहनों का उचित संयोजन, एमएसएमई अनुपालन में सरलीकरण, लाजिस्टिक्स और बंदरगाह दक्षता में सुधार महत्वपूर्ण हैं। निवेश को गति देने के लिए कारोबारी सुगमता में सुधार ने भी अहम भूमिका निभाई है। पुराने कानूनों को हटाना, डिजिटल स्वविकृति और फेसलेस अनुपालन ने संचालन और विस्तार को आसान बनाया है। जीएसटी के तहत 1.4 करोड़ व्यवसायों का जुड़ना प्रशासनिक सरलीकरण की एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए जमीनी अनुभव अभी भी मिश्रित हैं। कई बार उन्हें प्रक्रियाओं और तकनीकी बदलावों को अपनाने में कठिनाई होती है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय समावेशन

डिजिटलीकरण ने व्यवसायों और नागरिकों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन कर अनुपालन, और बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच ने देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। हालांकि, डिजिटलीकरण के बावजूद कौशल अंतराल और तकनीकी बाधाएं बनी हुई हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी एक चुनौती है। इसे दूर करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र, मोबाइल एप्स और स्थानीय स्तर पर डिजिटल शिक्षा केंद्र महत्वपूर्ण हैं। डिजिटल आधारभूत ढांचे के विस्तार ने न केवल रोजगार को औपचारिक बनाने में मदद की है बल्कि व्यवसायों की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में भी सुधार किया है। इस परिवर्तन का दीर्घकालिक लाभ तभी मिलेगा जब इसे समावेशी और स्थायी रोजगार में बदल दिया जाए।

आर्थिक स्थायित्व और निवेश

भारत की अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में असंतुलित और कमजोर स्थिति से मजबूत और स्थायी अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाया है। पूंजीगत व्यय में वृद्धि, सार्वजनिक वस्तुओं की बेहतर पहुंच, और संस्थागत क्षमता के विस्तार ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। निवेश को गति देने के लिए राज्य प्रोत्साहनों के साथ-साथ कारोबारी सुगमता में सुधार, कानूनों का सरलीकरण और डिजिटल अनुपालन की सुविधा महत्वपूर्ण रहे हैं। एमएसएमई सेक्टर, टेक्सटाइल, फुटवियर और खिलौने जैसे क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाने के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण, लाजिस्टिक्स सुधार और निर्यात को बढ़ावा देने वाले उपाय आवश्यक हैं।

भविष्य की दिशा और समावेशी विकास

आने वाले दशक में भारत के लिए मुख्य चुनौती यह होगी कि मौजूदा बदलाव और प्रगति को कैसे स्थायी और समावेशी बनाया जाए। केवल आर्थिक विकास दर को बढ़ाना पर्याप्त नहीं है।

आर्थिक बजट 2026: आम आदमी और किसानों की उम्मीदें टूटीं, कुछ राहत स्वास्थ्य और रेल कॉरिडोर में मिली

-आयकर छूट नहीं बढ़ी, पीएम किसान निधि स्थिर, शेयर निवेशकों और वरिष्ठ नागरिक निराश

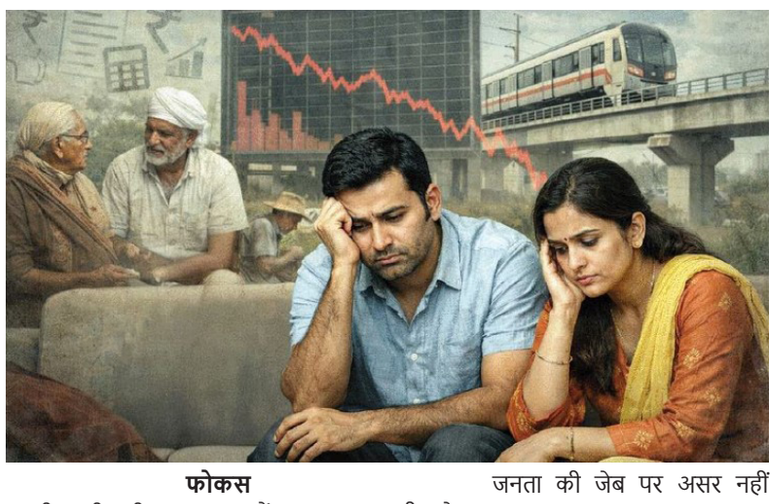

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में आर्थिक बजट 2026-27 संसद में पेश किया। कुल बजट का आकार 53 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है, जिसे सरकार विकासोन्मुखी और सामाजिक समानता को ध्यान में रखते हुए तैयार कर रही है। वित्त मंत्री ने इसे आम आदमी, महिलाएं, किसान और युवा पर केंद्रित बताया है। हालांकि बजट में कुछ राहत और योजनाओं के ऐलान हुए हैं, लेकिन मध्यम वर्ग और आम जनता की बड़ी उम्मीदें इस बार टूट गईं। इस बजट ने आयकर छूट सीमा, पीएम किसान निधि में वृद्धि, रेलवे रियायत और शेयर बाजार निवेशकों से जुड़ी उम्मीदों को नजरअंदाज किया है। इस वजह से बजट पर मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

आयकर और मिडिल क्लास की उम्मीदें

पिछले बजट में नए इनकम टैक्स रिजीम के तहत आम टैक्सपेयर को सालाना 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर '0' टैक्स देने की घोषणा की गई थी। इस बार मिडिल क्लास की उम्मीद थी कि सरकार इस सीमा को 14 लाख रुपये तक बढ़ा सकती है। इसके अलावा स्टैंडर्ड डिडक्शन को भी 75 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये करने की उम्मीद थी। लोग यह भी उम्मीद कर रहे थे कि PPF, NPS और ELSS जैसी निवेश योजनाओं में टैक्स छूट का फायदा नए टैक्स सिस्टम के तहत भी मिलेगा। लेकिन इस बजट में इन सभी बदलावों की कोई घोषणा नहीं हुई। पुराना टैक्स रिजीम: इसमें 1.5 लाख रुपये तक की छूट धारा 80C के तहत मिलती है। NPS में अलग से 50 हजार रुपये की छूट मिलती है। नया टैक्स रिजीम: इसमें उम्मीद थी कि निवेशकों को भी छूट मिलेगी, लेकिन सरकार ने इसे यथावत रखा। इसलिए मिडिल क्लास को निराशा ही हाथ लगी।

किसानों की उम्मीदें और पीएम किसान निधि

कृषि क्षेत्र में पीएम किसान निधि को लेकर किसानों की बड़ी उम्मीदें थीं। उम्मीद थी कि पीएम किसान योजना की राशि 6,000 रुपये से बढ़ाकर 12,000 रुपये कर दी जाएगी। इसके अलावा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को लेकर भी किसानों को लाभ की उम्मीद थी। लेकिन इस बजट में पीएम किसान निधि में कोई वृद्धि नहीं हुई। MSP के मामले में भी कोई बड़ा ऐलान नहीं हुआ। किसानों को यह देखकर निराशा हुई कि उनकी आर्थिक मदद को नजरअंदाज किया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों की उम्मीदें

सिनियर सिटीजन को लेकर कई आशाएं थी। रेलवे में ट्रेन टिकट पर छूट, बीमा योजनाओं में समर्थन, टीडीएस कटौती में बदलाव, लेकिन बजट में सिर्फ 7 नए रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई। रेल किराए में किसी भी प्रकार की राहत या छूट का जिक्र नहीं हुआ। टीडीएस कटौती और बीमा योजनाओं में भी कोई बदलाव नहीं किया गया। वरिष्ठ नागरिकों को इस बजट से कोई बड़ी राहत नहीं मिली।

शेयर बाजार और निवेशकों की नाराजगी

बजट ने शेयर बाजार निवेशकों के लिए भी निराशा ही दी। F&O ट्रेडर्स के लिए ट्रांजैक्शन चार्ज बढ़ा दिया गया। लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स (LTCG) और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स (STCG) में कोई बदलाव नहीं हुआ। उम्मीद थी कि ट्रांजैक्शन चार्ज में कमी की जाएगी और निवेशकों के लिए बाजार को और आकर्षक बनाया जाएगा, लेकिन बजट में इसका उल्टा किया गया।

महिलाओं और युवाओं पर फोकस

बजट में आम आदमी के निराशाजनक पहलुओं के बावजूद महिला सशक्तिकरण और युवाओं को रोजगार देने पर ध्यान दिया गया है। स्किल डेवलपमेंट और युवाओं के लिए स्टार्टअप इनिशिएटिव, महिलाओं के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा योजनाएं, हालांकि इन ऐलानों की चर्चा महत्वपूर्ण है, लेकिन मध्यम वर्ग और किसानों की अपेक्षाओं के मुकाबले ये ऐलान लोगों को ठोस राहत नहीं देते।

स्वास्थ्य और दवाओं में राहत

इस बजट में आम आदमी को एक छोटी सी राहत दवाईयों के क्षेत्र में मिली है। गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता कर दिया गया। यह कदम स्वास्थ्य खर्च को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण है, खासकर उन लोगों के लिए जिनका बजट पहले ही सीमित है। यह राहत लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन व्यापक आर्थिक राहत नहीं दी गई।

रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर

बजट में रेल कॉरिडोर का ऐलान किया गया। 7 नए रेल कॉरिडोर बनने वाले हैं। यह कदम देश में कनेक्टिविटी बढ़ाने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन आम आदमी को रेल किराए में रियायत या वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोई अतिरिक्त छूट नहीं दी गई। इसलिए यह ऐलान केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर के दृष्टिकोण से अहम है, लेकिन सीधे जनता की जेब पर असर नहीं डालता।

मिडिल क्लास और आम आदमी की निराशा

इस बजट से साफ होता है कि मिडिल क्लास और आम आदमी की अपेक्षाओं को इस बार नजरअंदाज किया गया। आयकर छूट बढ़ाने की उम्मीद पूरी नहीं हुई, पीएम किसान निधि में कोई वृद्धि नहीं हुई, रेलवे रियायतें नहीं मिलीं, शेयर बाजार निवेशकों के लिए राहत नहीं मिली, हालांकि महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार और स्वास्थ्य क्षेत्र में राहत दी गई है, लेकिन ये कदम आम आदमी की प्रत्यक्ष आर्थिक समस्याओं को हल नहीं करते।

बजट का समग्र मूल्यांकन

कुल मिलाकर, आर्थिक बजट 2026-27 में कुछ सकारात्मक पहलू जरूर हैं: दवाओं में सस्ती कीमतें – स्वास्थ्य खर्च को कम करने की दिशा, 7 नए रेल कॉरिडोर – कनेक्टिविटी और व्यापार सुगमता, महिला सशक्तिकरण और युवा रोजगार – दीर्घकालिक सामाजिक विकास, लेकिन साथ ही, यह बजट मध्यम वर्ग, किसान और आम निवेशक के लिए बहुत निराशाजनक साबित हुआ। आयकर छूट में बदलाव नहीं, पीएम किसान निधि में वृद्धि नहीं, रेलवे रियायतें नहीं, निवेशकों के लिए राहत नहीं, इसलिए यह बजट उम्मीदों को तोड़ने वाला माना जा रहा है।

नशे के कारोबार में लिप्त गिरोहों के विरुद्ध हो सख्त एक्शन, चलाएं विशेष अभियान- भजनलाल शर्मा

-गैंगस्टर्स, हार्डकोर अपराधियों पर लगे प्रभावी अंकुश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त गिरोहों के विरूद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने गैंगस्टर्स और हार्डकोर अपराधियों के विरूद्ध कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई करते हुए प्रभावी अंकुश लगाने के विशेष दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नशे की समस्या के उन्मूलन के लिए इससे जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला के रूट का चिन्हिकरण करते हुए विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में भी कड़ी निगरानी और सतर्कता सुनिश्चित की जाए।

छोटे से लेकर बड़े नेटवर्क को करें ध्वस्त-

उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार से जुड़े संगठित गिरोहों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए विशेष कार्ययोजना के तहत कार्रवाई की जाए तथा छोटे-बड़े सभी नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। इसके लिए पुलिस, ड्रग्स कंट्रोलर, स्वास्थ्य विभाग और अन्य एजेंसियां समन्वित प्रयास करें। साथ ही, उन्होंने नशे के प्रकरणों में गिरफ्तार व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कानूनी पैरवी के संबंध में निर्देशित किया।

नशे के दुष्परिणामों के प्रति करें जागरूक-

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा अपराध की जड़ है तथा समाज व परिवारों पर इसके दूरगामी दुष्प्रभाव होते हैं। इसलिए नशे के दुष्परिणामों के संबंध में विद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं के साथ जुड़कर पॉक्सो एक्ट एवं अन्य कानूनों के संबंध में आमजन को जागरूक करें।

साइबर अपराध के खिलाफ चलाएं मुहिम-

मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध के विरूद्ध प्राथमिकता के साथ कार्रवाई होनी चाहिए। जिन क्षेत्रों में साइबर अपराध की घटनाएं घटित हो रही है, वहां इनसे जुड़े गिरोहों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जाए। ये अभियान तब तक चले, जब तक संबंधित क्षेत्र में ऐसे अपराध जड़ से समाप्त नहीं हो जाए।

प्रत्येक 10 दिन के अंतराल पर हो प्रगति की मॉनिटरिंग-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले दो वर्षों में अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरूद्ध कार्रवाई की प्रगति की प्रत्येक 10 दिन के अंतराल पर मॉनिटरिंग की जाए। इन मामलों में कोताही बरतने पर जिम्मेदारी तय की जाए।

पुलिसिंग में आधुनिक तकनीकों को अपनाएं-

शर्मा ने कहा कि डिजिटल युग में अपराध भी हाईटेक होने लगे हैं। ऐसे में पुलिस भी अपराधियों के विरूद्ध कार्रवाई में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए मॉडर्न पुलिसिंग को अपनाएं। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, विभिन्न जिलों से पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अति पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण का नया अध्याय

-छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय, गुरुकुल योजना से एमबीसी विद्यार्थियों के लिए खुले शिक्षा के नए द्वार

-प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से लेकर कौशल विकास तक समाज के युवाओं को मिला सशक्त मंच

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील, दूरदर्शी और कुशल नेतृत्व में प्रदेश का अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की मजबूत राह पर अग्रसर है। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और ठोस नीतियों के परिणामस्वरूप अति पिछड़ा वर्ग के हजारों परिवार न केवल विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, संबल और सम्मान के जरिए सामाजिक न्याय के नए आयाम भी स्थापित कर रहे हैं।

छात्रवृत्ति योजनाओं से हजारों विद्यार्थियों को मिला संबल—

मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में अति पिछड़ा वर्ग के शैक्षणिक उत्थान के लिए देवनारायण योजना के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों पर वर्ष 2025 में 248 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जा चुकी है। उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 11 से उच्च शिक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए इस वित्तीय वर्ष में 102.42 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय कर 37 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। वहीं पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 6 से 10) में 7.10 करोड़ रुपए व्यय कर 69 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सहायता दी गई है।

देवनारायण छात्रावास योजना से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव मजबूत—

देवनारायण गुरुकुल योजना के तहत निजी प्रतिष्ठित विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रतिवर्ष 500 विद्यार्थियों के प्रवेश के प्रावधान वाली इस योजना में चालू वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रुपए से अधिक व्यय किया जा चुका है। इसी तरह देवनारायण छात्रावास योजना के अंतर्गत स्वीकृत छात्रावासों में 3750 विद्यार्थी तथा देवनारायण आवासीय विद्यालय योजना के तहत स्वीकृत विद्यालयों में 5 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए विशेष पहल—

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए एमबीसी छात्राओं के लिए करौली के नादौती एवं भरतपुर के बयाना में छात्रा महाविद्यालय मय हॉस्टल की स्थापना की गई है। नादौती कॉलेज में 74.80 लाख रुपए व्यय कर 177 छात्राओं को लाभान्वित किया गया है। इसी तरह बयाना कॉलेज में 155.29 लाख रुपए व्यय कर 543 छात्राओं को शिक्षा का अवसर उपलब्ध हुआ है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का मार्ग हुआ प्रशस्त—

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के माध्यम से एमबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को आईएएस, आरएएस, क्लैट, नीट, रीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए चयनित संस्थाओं में कोचिंग उपलब्ध करवाई जा रही है। इस योजना में 4 करोड़ रुपए व्यय कर विद्यार्थियों को भविष्य की तैयारी का सशक्त मंच दिया गया है।

कौशल विकास से रोजगार की ओर कदम—

इसी तरह देवनारायण योजना के अंतर्गत स्वीकृत 6 आईटीआई संस्थानों में 365 लाख रुपए व्यय कर 500 से अधिक विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

राजस्थान आवासन मंडल की 254वीं बोर्ड बैठक में विकासोन्मुख निर्णयों को मंजूरी

-सिटी पार्क मानसरोवर में बनेगा अटल काव्य स्मारक एवं अटल लोकतंत्र उपवन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान आवासन मंडल की 254वीं बोर्ड बैठक मंगलवार को मंडल मुख्यालय में आयोजित हुई। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं मंडल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण जनहितकारी प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणा के अनुरूप जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में अटल काव्य स्मारक एवं अटल लोकतंत्र उपवन के विकास हेतु डीपीआर तैयार करने एवं वास्तुविद की नियुक्ति को प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरी दी गई। बैठक में आईजी नगर सेक्टर 34-35 में मंडल बाल संप्रेक्षण गृह के लिए 2500 वर्गमीटर भूमि उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी जिसका प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाएगा। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में लेआउट प्लान संशोधन व भू-उपयोग परिवर्तन हेतु जल्द ही जिलावार शिविर लगाए जाएंगे तथा इन सेवाओं के लिए एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा। बैठक में बुधवार नीलामी, प्रीमियम संपत्तियों एवं आवासीय योजनाओं को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया को जनविश्वास का संकेत बताया गया। हनुमानगढ़ एवं भिवाड़ी की आवासीय योजनाओं की आवेदन अवधि 28 फरवरी तक बढ़ाई गई है, जबकि जयपुर, जैसलमेर सहित अन्य शहरों में शीघ्र नई योजनाएं लाई जाएंगी। इसके साथ ही भूमि चिन्हांकन, ड्रोन सर्वे, आरएफएसडीएल के माध्यम से लंबित संपत्तियों के निस्तारण तथा विभिन्न आवासीय योजनाओं के विकास कार्यों हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां भी प्रदान की गईं। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने निर्णयों की त्वरित क्रियान्विति तथा मंडल संपत्तियों की सुरक्षा हेतु सीमांकन, साइनेज व फेंसिंग के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने ली अरावली ग्रीन वॉल कार्यक्रम एवं एनसीआर क्षेत्र के हरितीकरण के संबंध में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अरावली ग्रीन वॉल कार्यक्रम एवं एनसीआर क्षेत्र के हरितीकरण के संबंध में मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री के सलाहकार द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अरावली पर्वत श्रृंखला क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल एवं मृदा संरक्षण कार्य तथा हरित आवरण विस्तार हेतु प्रस्तावित एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष हेतु हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विभिन्न विभागों के आवंटित वृक्षारोपण लक्ष्यों की विभागवार समीक्षा एवं अरावली के अन्तर्गत आने वाले राजस्थान के जिलों में हरितीकरण गतिविधियों को सुदृढ़ करने पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि अरावली पर्वतमाला न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक क्षेत्र राजस्थान में स्थित है, जिससे राज्य की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार अरावली पर्वतमाला के सरंक्षण लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र सरकार ने राजस्थान के अरावली जिलों में 52503.20 हैक्टेयर पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने जिला कलेक्टरों को विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करकर समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जुलाई से अभियान की प्रभावी शुरुआत-

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अभी मानसून में समय है, इसलिए सभी संबंधित विभाग समय रहते आवश्यक तैयारियां पूर्ण करें और पौधारोपण की कार्ययोजना को धरातल पर उतारें। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि उसकी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित की जाए।

थर्ड पार्टी मूल्यांकन की व्यवस्था-

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अभियान की पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी मूल्यांकन की व्यवस्था लागू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण एवं मूल्यांकन से वास्तविक प्रगति का आकलन संभव होगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही को रोका जा सकेगा। इससे अभियान की विश्वसनीयता और परिणाम दोनों सुदृढ़ होंगे।

व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश-

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि अरावली ग्रीन वॉल अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। इसके अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों, स्वयंसेवी संगठनों, ग्राम पंचायतों, उद्योगों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

सम्पूर्ण रात्रि इबादत कर अपने गुनाहों की माफ़ी मांगी

-अपने पूर्वजों की कब्र पर जाकर उनके लिए दुआ की

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय कस्बे सहित आसपास के मुस्लिम इलाको में शब ए बरात का पर्व विधिवत रस्म ओ रिवाज के हर्षोल्लास के साथ में मनाया गया। इस दिन घर और मस्जिदों में खास सजावट की गई। शब-ए-बरात के दिन जगह-जगह पर धार्मिक जलसों का आयोजन किया गया, जिसमें अधिक संख्या में लोग शामिल हुए। इसके अलावा लोग कई तरह के पकवान बनाए और सुंदर वस्त्र पहने । शब-ए-बरात के दिन लोग अपने पूर्वजों की कब्र पर गए और उनके लिए दुआ पढे। भाजपा नेता जमील खान खोकर ने बताया कि इस दिन लोगों में दान जरूर करते है। शब-ए-बारात की रात में अपने पूर्वजों की कब्र पर जाकर उनके लिए फ़ातेहा पढ़ी गई। कब्र पर अगरबत्ती जलाकर फूल चढ़ाए। नमाज के दौरान जीवन में किए गए गुनाहों की माफी मांगी। इस दिन रोजा रखने की परंपरा के अनुसार कई लोगो ने रोजा रखा। इसके अलावा इबादत के दौरान जीवन में कभी भी किसी गलत काम को न करने का अपने आप से वादा किया।

शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर जोन उपायुक्त निकले फील्ड विजिट पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में श्रेष्ठ रैंकिंग के लिए नगर निगम ने कमर कस ली है मंगलवार को सभी जोन उपायुक्तों ने स्वच्छ सर्वेक्षण से जुड़े बिन्दुओं पर जोन के विभिन्न स्थानों का विस्तृत निरीक्षण किया। सभी जोन उपायुक्तों ने आमजन से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक लिया, ओपन डिपो के निरीक्षण किये, संबंधित सीएसआई, एसआई को सफाई के निर्देष दिये, सीएनडी वेस्ट की स्थिति ग्रीन नेट, सड़क किनारे लगे पेड़, पौधों की कटाई छटाई, रेड स्पॉट, येलो स्पॉट, बैकलाइन का सौन्दर्यकरण, होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, स्टीकर आदि को हटाने के निर्देष दिये। सभी जोन में वार्ड क्षेत्र के विभिन्न रेजिडेषियल एवं व्यवसायिक क्षेत्रों की स्वच्छता, व्यवस्थाओं एवं नागरिक सुविधाओं का अवलोकन किया। दुकानदारों को दो डस्टबिन रखने के निर्देष दिये तथा खुले में कचरा ना फैलाने एवं दो डस्टबिन रखने व कचरे को गीले व सूखे कचरे के रूप में पृथक्करण, अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देष दिये। नगर निगम जयपुर के आयुक्त डॉ. गौरव सैनी निर्देषानुसार समस्त जोन उपायुक्तों ने स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न बिन्दुओं का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिटी प्रोफाइल क्षेत्र का चेकलिस्ट के अनुसार गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्षेत्र के विभिन्न रेजिडेंशियल एवं व्यवसायिक क्षेत्रों की स्वच्छता, व्यवस्थाओं एवं नागरिक सुविधाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के अंतर्गत पुरोहित जी का बाग, न्यू कॉलोनी, वाल्मीकि कॉलोनी, पंडित शिवदीन जी का रास्ता एवं ठठेरा का रास्ता स्थित रेजिडेंशियल क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया साथ ही इंदिरा बाजार के व्यवसायिक क्षेत्र एवं सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाए गए अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटवाया गया एवं संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में पुनः अतिक्रमण न करने के निर्देश दिए गए।

चिकित्सा विभाग का ऑनलाइन निरीक्षण

-प्रमुख सचिव एवं राज्य स्तरीय अधिकारियों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं को निरंतर सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इस दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में स्वास्थ्य सेवाओं का मिशन मोड में निरीक्षण किया जा रहा है। विगत दिनों जिला प्रशासन की ओर से चिकित्सा संस्थानों सघन निरीक्षण किया गया था। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ सहित अन्य राज्य स्तरीय अधिकारियों ने चिकित्सा संस्थानों का ऑनलाइन निरीक्षण किया तथा प्रभारियों से संवाद किया। प्रमुख शासन सचिव ने भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल, जिला अस्पताल नवलगढ़, झुंझुनूं तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रायसिंह नगर, श्रीगंगानगर का वीडियो कॉल के माध्यम से निरीक्षण किया। उन्होंने दोपहर 12 बजे बाद वीडियो कॉल कर इन संस्थानों में चिकित्साकर्मियों की उपस्थिति, ओपीडी एवं आईपीडी में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, निःशुल्क जांच एवं दवा के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही, चिकित्सा संस्थानों में साफ—सफाई की स्थिति, उपकरणों की क्रियाशीलता आदि के बारे में जायजा लिया। उन्होंने संस्थान प्रभारियों एवं अन्य चिकित्सा कर्मियों से संवाद कर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में वस्तुस्थिति जानी। साथ ही, रोगियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में फीडबैक प्राप्त किया। राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार सभी चिकित्सा संस्थानों में पेशेंट सेंट्रिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। सभी स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी इसी भावना के अनुरूप पूरी संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। अस्पताल में आने वाले रोगियों को उपचार में किसी तरह की परेशानी नहीं आए, इसका ध्यान रखा जाए। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण आदि मानकों को और बेहतर करने की दिशा में प्रयास किए जाएं। कैंसर व टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य रोगी की स्क्रीनिंग पर फोकस किया जाए। प्रभावी स्क्रीनिंग होने से से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, आमजन स्वस्थ्य जीवन शैली के प्रति जागरूक हो सकेंगे। राठौड़ ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में योग एवं वैलनेस गतिविधियों सहित अन्य सेवाएं सुचारू रूप से उपलब्ध हों, ताकि लोगों को सामान्य उपचार के लिए शहरों में नहीं जाना पड़े।

"जन-सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, शाहपुरा पुलिया दोनों दिशाओं से एक साथ खोली जाए"- कुंवर दिगराज सिंह

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा राष्ट्रीय महासचिव, ऑल इंडिया किसान कांग्रेस ने कहा कि शाहपुरा की जीवनरेखा मानी जाने वाली पुलिया को एकतरफा खोलने का निर्णय सीधे-सीधे जनता की जान को जोखिम में डालने जैसा है। मैं प्रशासन को स्पष्ट शब्दों में आगाह करना चाहता हूँ कि यह कोई प्रयोगशाला नहीं है जहाँ ट्रायल-एरर के आधार पर फैसले लिए जाएँ। यह आमजन की रोजमर्रा की आवाजाही का मुख्य मार्ग है, जहाँ एक छोटी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। पिछले अनुभवों ने बार-बार साबित किया है कि अधूरी तैयारियों और जल्दबाज़ी में शुरू किया गया एकतरफा यातायात भ्रम की स्थिति पैदा करता है। इससे वाहन चालकों में असमंजस बढ़ता है, गति अनियंत्रित होती है और दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। क्या प्रशासन किसी अप्रिय घटना का इंतज़ार कर रहा है? शाहपुरा की जागरूक जनता अस्थायी और अधूरे समाधान नहीं चाहती। जनता की स्पष्ट मांग है कि पुलिया को दोनों दिशाओं में एक साथ, पूर्ण सुरक्षा मानकों और यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था के साथ खोला जाए। सिग्नलिंग, बैरिकेडिंग, स्पीड कंट्रोल और पुलिस तैनाती जैसे सभी सुरक्षा इंतज़ाम पहले सुनिश्चित किए जाएँ, उसके बाद ही यातायात शुरू किया जाए। मैं, दिगराज सिंह शाहपुरा, राष्ट्रीय महासचिव ऑल इंडिया किसान कांग्रेस, प्रशासन से दृढ़ और स्पष्ट मांग करता हूँ कि जन-सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। पुलिया को दोनों ओर से एक साथ प्रारंभ किया जाए ताकि यातायात सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित रहे। यदि जनता की सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया तो हम लोकतांत्रिक तरीके से आवाज़ उठाने को बाध्य होंगे। शाहपुरा की जनता की जान की कीमत पर कोई प्रशासनिक सुविधा स्वीकार नहीं की जाएगी।

उमराह के दौरान भारत देश की सलामती की दुआएं मांगी

-डॉ. ईमरान खान पत्नी, दामाद और बेटियों के संग गए है उमराह पर

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर इमरान खान सीनियर मेडिकल ऑफिसर गोरवमेंट ऑफ राजस्थान उमराह पर गए हुए है। उनके साथ मे उनकी पत्नी रुकसाना, उनका दामाद डॉक्टर अरशद आमीन एमबीबीएस एमएस ऑर्थो, उनकी बेटी डॉक्टर अनम खान एमबीबीएस एमडी मेडिसिन व उनकी बेटी डॉक्टर आफिया खान एमबीबीएस आगरा भी साथ मे उमराह करने के लिए गए हुए है। डॉक्टर इमरान खान व उनके साथ मे गया हुआ परिवार भी भारत देश की सलामती की दुआएं मांगी है। डॉक्टर रिजवान अहमद यूनानी चिकित्सालय ताला ने कहा कि डॉक्टर इमरान खान और उनके परिवार ने उमराह के दौरान भारत की सलामती और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी, यह वाकई सराहनीय है। उनकी इस पहल से देश के लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर इमरान खान के परिवार में उनकी पत्नी रुकसाना, दामाद डॉक्टर अरशद आमीन, और बेटियां डॉक्टर अनम खान और डॉक्टर आफिया खान हैं। सभी ने उमराह के दौरान भारत की सलामती के लिए दुआएं मांगी।

पुलिस थाना मनोहरपुर को मिली सफलता

-एनडीपीएस एक्ट के दर्ज प्रकरण में फरार चल रहे दो आरोपियों कालूराम व ताराचन्द को किया गिरफ्तार

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राशी डोगरा डूडी आईपीएस, उप महानिरीक्षक पुलिस, सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया है कि 18.01.2026 को थानाधिकारी शाहपुरा द्वारा 592 ट्रामाडोल के प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल जप्त कर आरोपी उमराव, अजय कुमार को गिरफ्तार किया गया था जिस पर प्रकरण संख्या 32/26 थाना शाहपुरा पर दर्ज कर अनुसंधान सुरेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक मनोहरपुर द्वारा अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा था। प्रकरण में थानाधिकारी मनोहरपुर द्वारा अग्रिम कार्यवाही करते हुए पुर्व में 31.01.2026 को आरोपी कमलेश कुमार उर्फ कमल पायला को गिरफ्तार किया तथा तथा आरोपी कालूराम व ताराचन्द घटना के बाद से ही फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह व वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मनोहरपुर सुरेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा अथक प्रयास करते हुए एनडीपीएस एक्ट के दर्ज प्रकरण में फरार वांछित आरोपियों कालूराम व ताराचन्द को डिटेन कर बाद अनुसंधान प्रकरण में 02.02.2026 को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कालूराम के खिलाफ पुलिस थाना रायसर पर भी 03 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौड़ ने महुवा में की प्रेस कॉन्फ्रेंस

-केंद्रीय बजट व भाजपा की विकास योजनाओं पर कीचर्चा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौड़ ने दोसा भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला के साथकेंद्रीय बजट 2026-27 व भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को लेकरप्रेस कॉन्फ्रेंस संबोधित की। इस दौरान दोसाभाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला के साथ भाजपा के पदाधिकारीकार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषागौड़ का स्वागत सत्कार किया गया भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषागौड़ ने केंद्रीय बजट 2026-27 मैं आमजन के साथ देश के विकास को लेकर की गई घोषणाओं की बिंदुवार बताते हुए कहा कि भाजपा के शासन में देश का चौमुखी विकास हो रहा है। भाजपा की विकास योजनाओं और बजट 2026-27 की घोषणाओं के बारे में बताते हुए प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौड़ ने कहा कि

भारत विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि 2026-27 के बजट में ₹12 लाख करोड़ से ₹17 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो देश के विकास के लिए एक बड़ा कदम है।डॉ. निमिषा गौड़ ने कहा कि भारत की विकास दर 7% से अधिक होने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें सुधारों पर सुधार, आम लोगों पर फोकस और भविष्य पर दृष्टि का संगम शामिल है। डॉ. निमिषा गौड़ ने कहा कि 2026-27 के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ₹12.2 लाख करोड़ होगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9% अधिक है। उन्होंने कहा कि यह G.D.P का 4.4% है, जो देश के विकास के लिए एक बड़ा योगदान है। डॉ. निमिषा गौड़ ने कहा कि सरकार मेक इन इंडिया और इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय दो लाख से अधिक हो चुकी है।

शबे बराअत में चला रात भर इबादतों का सिलसिला मस्जिदों में रही रौनक

-जिन लोगों की फ़र्ज़ नमाज़े कजा हैं वो नफिल नमाज़ की जगह कजा-ए-उमरी अदा करने को तरजीह दें- हाफिज कुर्बान अली

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शब -ए- बारात की रात को मुस्लिम बहुमूल्य क्षेत्र में मस्जिदों में रौनक रही और इबादतों का दौर चलता रहा मस्जिद अल-हाशमी मैं इमाम हाफिज कुर्बान अली ने अपनी तकरीर में कहा आल्लाह पाक से अपने गुनाहों की माफी मांगे। आज की रात अल्लाह ताअला से माफी तलब करें तो दिल से करें ये नहीं कि आज माफी मांग ली कल फिर वहीं गुनाह करने लग जाएं जैसे शराब जुआं सट्टा और दीगर हराम काम करने लग जाएं और मेरी बहने है जो गिब्बत चुगली वगैरा करती है वो सच्ची तोबा करे के आइंदा कभी ये गुनाह नहीं होंगे तोबा करने के बाद अगले दिन वही काम तो फिर तौबा कबूल नहीं होती बल्कि उसने आल्लाह ताअला के साथ मज़ाक किया हुज़ूर गौस ए आज़म रजियालाहु ताअला अन्हू फरमाते हैं हैं कि जिसने तौबा की और फिर गुनाह किया फिर तौबा की फिर गुनाह किया उसने अल्लाह ताअला के साथ मज़ाक किया जैसे आज शबे -ए-बारात में तौबा की फिर गुनाह करने लग जाएं फिर शबे कद्र में तौबा की फिर गुनाह करने लग जाएं फिर शबे मेराज में तौबा की फिर गुनाह करने

लग जाएं ऐसा अमल न करें अगर आपने तौबा की है तो सच्चे दिल से करें अल्लाह ताअला की बारगाह में रो कर गिड़गिड़ा कर उससे अपने गुनाहों की माफी मांगे हज़रत उमर रजियाल्लाहु ताअला अन्हु फरमाते हैं जिसे ये जानना हो कि मेरी तौबा कबूल हुई या नहीं उसे चाहिए सच्चे दिल से तौबा करे और गुनाह के करीब कभी भी दिल न चाहे तो समझो तुम्हारी तौबा कबूल हुई है अल्लाह पाक हम सबको सच्चे दिल से अपने गुहनाहों की तौबा करने की तोफिक अता फरमाए और कहने सुनने से ज्यादा अमल करने की तोफिक अता फरमाए और हर दुआ के बाद आमीन कहें इसी क्रम में मदीना मस्जिद के पेश इमाम हाफिज अब्बास ओर मदरसा सैयदना तोकीर उलूम के मुफ्ती गुल शेर मोहम्मद ने अपनी तकरीर में इस रात का बहुत महत्व बताया। मौलाना साबिर, मौलाना शहाबुद्दीन, ने अपनी तकरीर में शबे बराअत की अहमियत और आगे माहे रमजान के रोजे रखने के बारे में तकरीर की रात भर। शहर की रेलवे मस्जिद,नूर नबी मस्जिद, तकिया ताजुशाह मस्जिद, तेलियान मस्जिद,मक्की मस्जिद, कायम शिफा मस्जिद, मरकज मस्जिद, चेजारान मस्जिद, आदि शहर की सभी मस्जिदों में इबादत का दौर चला सुबह फजर के बाद सभी कब्रिस्तान गये अपने रिश्तेदारों की कब्रों पर जाकर मगफीरत की दुआएं की ओर कुराने पाक की तिलावत की देश और दुनिया के लिए अमन चैन की दुआएं की गई।

अल्पसंख्यक विभाग ग्रामीण जिला अध्यक्ष का किया स्वागत

सहाड़ा/रायपुर (रॉयल पत्रिका)। सहाड़ा रायपुर विधानसभा क्षेत्र के साहाड़ा पहुंचकर ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं से की मुलाकात। यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष शरीफ मोहम्मद शाह ने बताया कि ग्रामीण जिला अध्यक्ष साहाड़ा पहुंचे नवनिर्वाचित भीलवाड़ा ग्रामीण जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह का माला व साफा बंधवाकर जबरदस्त स्वागत किया गया। जिसमें इकबाल शाह अल्पसंख्यक संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। इस दौरान पूर्व सदर आजाद बैग जी, ब्लॉक कांग्रेस सचिव इसराइल अली, इकाई अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद पठान, दरगाह कमेटी के सदर हकीम खां पठान, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष शरीफ मोहम्मद शाह, बाबू खां, सदाम खां, भुरा लाल भील, एव कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा इस्तकबाल किया।

राही यादगार निशान 2026 से सम्मानित

सोजत (रॉयल पत्रिका)। मेहंदी नगरी सोजत के ख्यातनाम शायर, कवि, पत्रकार अब्दुल समद राही को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी बेहतरीन सेवाओं के लिए सूर्य नगरी जोधपुर स्थित ईदगाह अहले हदीस में मजलिस हमदर्दाने क़ौम मेड़ती सिलावटान, जोधपुर द्वारा यादगार निशान 2026 प्रदान कर सम्मानित किया गया। सदर जनाब अल्हाज अब्दुल सलीम चौहान ने साफा पहनाकर व नायब सदर अब्दुल मतीन खताई ने सम्मान पत्र व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया, राही ने सदर जनाब अल्हाज अब्दुल सलीम चौहान, नायब सदर अब्दुल मतीन खताई सेकेट्री मोहम्मद साकिर चौहान हर दिल अजीज नायब सेकेट्री अब्दुल वाहिद बाबू और तमाम कमेटी का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया।

शेखावाटी अंचल के रहने वाले युवा विदेश में रहकर भी करते हैं अपने देश से मोहब्बत एवं समाज सेवा

-राहत वेलफेयर सोसाइटी के माध्यम से आरिफ खान नारू

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शेखावाटी आंचल से रहने वाले विदेश में रहकर भी करते हैं समाज सेवा ऐसी ही एक संस्था है राहत वेलफेयर सोसाइटी जिसके अध्यक्ष आरिफ खान नारू से फोन के माध्यम से हुई वार्ता आपने बताया कि राजस्थान में हमारी संस्था कई वर्षों से कार्य कर रही है जो शेखावाटी अंचल से लोग विदेश में रहते हैं वह देश से करते हैं मोहब्बत इसलिए हम जरूरतमंदों की समाज सेवा करते हैं । हमने चुरु,झुन्झनू,सीकर आदि जगहों पर संस्था से जुड़े हुए प्रतिनिधि चुन रखे हैं अभी हाल ही में सभी नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष और तहसील उपाध्यक्ष को मनोनीत किया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि सभी इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे और समाज सेवा के इस पुनीत अभियान में हमारा साथ देंगे। जैसा कि आप जानते

हैं, हमने 2019 में इस संस्था की नींव रखी थी। तब से लेकर आज तक हम लगातार जरूरतमंदों की सेवा करते आ रहे हैं। वर्तमान में सोसाइटी की ओर से लगभग 40 विधवा एवं गरीब महिलाओं को हर महीने पेंशन दी जा रही है। इसके साथ ही जरूरतमंद परिवारों की शादियों में आर्थिक सहयोग, किया जाता है। ओर बीमारी के समय सहायता तथा अन्य आपात स्थितियों में मदद की जा रही है-अब तक 52 से अधिक परिवारों को सहायता की जा चुकी है। कोरोना काल में हमने राहत सामग्री किट वितरित किए और पंजाब में आई बाढ़ के दौरान पीड़ित परिवारों तक सहायता पहुँचाई। यह सब सभी सदस्यों की मेहनत, सहयोग और समर्पण से ही संभव हो पाया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप अपने-अपने जिलों को और मजबूत बनाएंगे ताकि कोई भी गरीब और मजबूर व्यक्ति मदद से वंचित न रहे। आइए मिलकर मानव सेवा के इस मिशन को और आगे बढ़ाएं।

दरगाह बगड़ इज्जतुल्लाह शाह में शब-ए-बारात को इबादत का दौर चला

बगड़/झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। दरगाह हजरत इज्जतुल्लाह शाह बगड़ में शब- ए -बारात रात्रि कोई इबादत कर मनाई गई दरगाह के गद्दी नशीन पीर दीन मोहम्मद ने बताया कि शब-ए-बारात इस्लामिक कैलेंडर के आठवें महीने शाबान की 15 वीं रात को मनाई जाती है। फ़ारसी में 'शब' का अर्थ 'रात' और 'बारात' का अर्थ 'मुक्ति या क्षमा' होता है। इसे "क्षमा की रात" भी कहा जाता है क्योंकि माना जाता है कि इस रात अल्लाह अपने बंदों के गुनाह माफ़ करता है और उनकी जायज़ दुआएँ कुबूल करता है। इस रात की कुछ मुख्य विशेषताएँ हैं:इबादतः मुसलमान रात भर जागकर नमाज़ (नफ़्ल), कुरान की तिलावत और ज़िक्र करते हैं। तकदीर का फैसलाः मान्यता है कि इस मुबारक रात को अल्लाह आने वाले साल के लिए हर जीव का भाग्य और जीविका (रिज़्क़) तय करता है।कब्रिस्तान जानाः लोग अपने दिवंगत प्रियजनों की मगफिरत (मोक्ष) के लिए दुआ

करने कब्रिस्तान जाते हैं। दान और रोज़ाः इस दिन दान-पुण्य करना और अगले दिन रोज़ा रखना बहुत सवाब का काम माना जाता है। यह रात तौबा करने और नई रूहानी शुरुआत करने का एक बेहतरीन अवसर होती है। गुनाहों की माफीः मान्यता है कि इस रात अल्लाह अपने बंदों के गुनाहों को माफ करता है और उनकी दुआएं कुबूल करता है। इबादत और दुआः मुसलमान पूरी रात जागकर नफ़्ल नमाज़ें पढ़ते हैं, कुरान की तिलावत करते हैं और अल्लाह से अपने भविष्य के लिए रहमत मांगते हैं। ओर अपने पूर्वजों को याद करते हैं इस रात लोग कब्रिस्तान जाकर अपने बुजुर्गों की कब्रों पर फातिहा पढ़ते हैं और उनके लिए मगफिरत (मोक्ष) की दुआ करते हैं। रोज़ाः शबे बारात के अगले दिन (15 शाबान) को नफ़्ल रोज़ा रखना भी बहुत सवाब का काम माना जाता है। दरगाह के शहजादा ए अबरार हुसैन ने कहा दरगाह और मस्जिद को सजाया गया है और रात भर इबादत का सिलसिला चलता रहेगा।

लक्ष्मणगढ़ में जलजीवन मिशन पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

लक्ष्मणगढ़/सीकर (रॉयल पत्रिका)। लक्ष्मणगढ़ उपखंड क्षेत्र में आमजन को सुविधाएं के लिए चलाई जा रही जनजीवन मिशन योजना की कार्य प्रणाली से परेशान ग्रामीणों ने आज लक्ष्मणगढ़ उपखंड अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर सुचारू व्यवस्था करवाने की मांग की है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रभारी राजेश पुनिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपखंड कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपकर बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को जल की सुविधा को लेकर जनजीवन मिशन योजना चालू की गई थी लेकिन लक्ष्मणगढ़ उपखंड क्षेत्र में ग्रामीणों को योजना की कार्य प्रणाली से असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि जनजीवन मिशन योजना का कार्य 2024 में सम्पूर्ण होना था लेकिन सात सौ करोड रूपए का बजट ओर बढ़ाया गया है इसके बावजूद भी ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पुनिया ने ज्ञापन सौंपकर बताया कि हमारी 10 सुत्रीय मांग का ज्ञापन सौंपा गया है अगर कोई कार्रवाई नहीं होती है। तो ग्रामीणों को उग्र आंदोलन करना पड़ेगा।

साईबर फ्रॉड के 49 हजार 300 से रूपये करवाये रिफण्ड

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आई.पी.एस ने बताया कि साईबर अपराधों पर प्रभावी अकुंश हेतु जिला पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। त्वरित कार्यवाहीयों के इसी क्रम में थानाधिकारी पुलिस थाना तारानगर सतपाल बिश्नोई के नेतृत्व में थाना तारानगर के साईबर पोर्टल पर कार्यरत ओमप्रकाश 800 द्वारा साईबर पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही करते हुये साईबर फॉड के हुये 49 हजार 300 रूपये को वापिस परिवादी के खाते मे रिफण्ड करवाई गई। उक्त कार्यवाही में पुलिस थाना तारानगर के साईबर पोर्टल पर कार्यरत ओमप्रकाश 800 की विशेष भुमिका रही।घटना का सक्षिप्त विवरण:- 24 मार्च.2025 को लोकेश कस्वा निवासी रामपुरा पुलिस थाना तारानगर जिला चूरू ने दर्ज करवाया कि अज्ञात व्यक्ति ने मेरे साथ साईबर फॉड कर 51 हजार 900 सौ रूपये ट्रांसफर करवा लिये जिस पर साईबर पोर्टल पर परिवाद दर्ज की गई। कार्यवाही पुलिस:- परिवादी द्वारा साईबर पोर्टल पर दर्ज करवाई गई परिवाद पर ओमप्रकाश 800 द्वारा साईबर पोर्टल पर प्राप्तशुदा परिवाद का अवलोकन कर परिवादी से जांच कर परिवादी के खाते से स्थानान्तरित हुई राशि को ट्रेस किया जाकर त्वरित आवश्यक कार्यवाही करते हुये परिवादी के खाते से स्थानान्तरित हुई 49 हजार 3 सौ रूपये की राशी हॉल्ड करवाई जाकर माननीय न्यायालय से रिफण्ड आदेश करवाये जाकर फॉड राशी परिवादी के खाते मे रिफण्ड करवाई गई।

जमीनी स्तर पर जाकर भाजपा कार्यकर्ता बताएंगे VB-GRAM-G के फायदे- मानसिंह गुर्जर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर का विकसित भारत गारंटी फॉर आजीविका मिशन (VB-Gram-G) विषय को लेकर जिला संवाद सम्मेलन आज जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में शक्ति पैलेस मैरिज गार्डन में संपन्न हुआ। जिला प्रवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि सम्मेलन का शुभारंभ भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया,सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में जिला संगठन प्रभारी संजय नरूका एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंग लाल जाट, प्रेमप्रकाश शर्मा,सुरेश जैन, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, विनोद अटल, बाबूलाल मीणा उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मानसिंह गुर्जर ने कहा कि VB-GRAM-G मोदी की गारंटी वाली योजना है इस योजना के माध्यम से सरकार का ध्येय है कि ग्रामीण क्षेत्र में आमजन को आजीविका के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि VB-GRAM-G विषय पर कांग्रेसी झूठा भ्रम फैला रहे हैं उनकी सरकार में उन्होंने इस योजना के कही बार नाम परिवर्तित किए लेकिन कभी आमजन को और अधिक फायदा पहुंचाने की मनसा नहीं रखी।

प्रधानमंत्री मोदी ने न की इस योजना का नाम बदला नाम के साथ साथ उन्होंने मनरेगा कार्य में 25 दिन की और बढ़ोतरी की जो कि कांग्रेस सरकार में मात्र 100 दिन थी, अब 125 दिन है। मानसिंह गुर्जर ने कहां कि कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे झूठे भ्रम को हमारे भाजपा के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर आमजन से संवाद करके भ्रांति को मिटाएंगे। सम्मेलन को जिला संगठन प्रभारी संजय नरूका ने भी संबोधित किया उन्होंने कहा कि VB-GRAM-G मोदी की विकसित भारत के सपनों को साकार करने वाली योजना है,इस योजना के माध्यम से मनरेगा में कार्य करने वाले लोगों की आजीविका में और अधिक बढ़ोतरी होगी,साथ ही मनरेगा के कार्यों में और अधिक पारदर्शिता होगी इसके बाद संगठन प्रभारी ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की। जिला संवाद सम्मेलन में मंच संचालन जिला महामंत्री विनोद अटल ने किया।

सिकरौदा मीना व सिकरौदा जट्ट में अंडरपास की मांग, ग्रामीणों ने DRM कोटा से की मुलाकात

हनीस शेख

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका) । करौली जिले की हिण्डौन सिटी तहसील अंतर्गत ग्राम सिकरौदा मीना एवं सिकरौदा जट्ट में रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कोटा रेल मंडल के तकनीकी DRM ललित कुमार से मिला। ग्रामीणों ने सिकरौदा मीना एवं सिकरौदा जट्ट में प्रस्तावित रेलवे अंडरपास तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकरौदा मीना के लिंक रोड पर पुलिया निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज एवं बाड़ाबंदी के कारण क्षेत्र में आवागमन, शिक्षा, खेती और सामाजिक जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। ग्रामीणों के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकरौदा मीना के समीप रेलवे ओवरब्रिज बनने से वर्तमान फाटक बंद हो जाएगा। इससे जहानाबाद, खेड़ी घाटम, खेड़ी शीश सहित 15 से 20 छोटी ढाणियों से आने वाले लगभग 150 से 200 विद्यार्थियों को 4 से 5 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी। इनमें करीब 80 प्रतिशत छात्राएं हैं, जिससे आगामी सत्र में छात्र संख्या घटने की आशंका है। इसी प्रकार सिकरौदा जट्ट के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे बच्चे रेलवे बाड़ाबंदी के कारण लाइन पार करने को मजबूर हैं,

जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों गांवों की लगभग 500 से 600 बीघा कृषि भूमि रेलवे पटरी के पार स्थित है। अंडरपास नहीं होने से किसानों को खेतों तक पहुंचने में भारी परेशानी होगी, परिवहन खर्च बढ़ेगा, मजदूरी दर में वृद्धि होगी और महिलाओं को पशुओं के चारे के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। साथ ही क्षेत्र के गांवों का आपसी दैनिक संपर्क भी बाधित होगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सिकरौदा मीना और सिकरौदा जट्ट को जोड़ने वाली संपर्क सड़क, जो बरगमां रोड से निकलती है, ओवरब्रिज निर्माण के कारण प्रभावित हो रही है। यदि ओवरब्रिज के नीचे उसी संपर्क सड़क पर पुलिया दी जाए तो सड़क सुरक्षित रहेगी और विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि भविष्य में किसी की मृत्यु होने पर पटरी पार श्मशान तक शव ले जाने में 5 से 6 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी, जो अत्यंत कष्टकारी होगा। तकनीकी DRM ललित कुमार ने ग्रामीणों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और पुनः सर्वे कराकर समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान मनोज सिकरौदा (आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष, हिण्डौन देहात), विजय सिंह, नरेंद्र पटेल, संजय खाद बीज भंडार, भीम सिंह खेड़ी घाटम, सहदेव सहरा, मोहन मिस्त्री सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

कांग्रेस के नव नियुक्त पदाधिकारीयों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस कमेटी (एससी विभाग) के जिला अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार कल्ला की ओर से नव नियुक्त कांग्रेसजनों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्व प्रथम भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनने पर एडवोकेट सद्दाम हुसैन तथा कांग्रेस एससी विभाग का चूरू देहात अध्यक्ष एडवोकेट चन्द्रभान मेहरा तथा चूरू शहर अध्यक्ष चन्दन खारडियां का माल्यार्पण के माध्यम से स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस

अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र राजपुरोहित, जिला अभिभाषक संघ उपाध्यक्ष सुरेश कुमार आर्य, युवा कांग्रेस चूरू जिला अध्यक्ष आसिफ खान, कांग्रेस एससी विभाग प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनील कुमार मेघवाल, एडवोकेट संजीव मीणा, एडवोकेट सरिता, एडवोकेट शंकर सिंहमार, एडवोकेट सुरेश इशराण सहित बड़ी संख्या में गणमान लोग उपस्थित थे।

खेजड़ी संरक्षण के लिए RLP और शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच का बड़ा कदम- कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान के गौरव 'खेजड़ी' को बचाने के लिए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) और शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच ने हाथ मिला लिया है। आज संगठन संयोजक राजेश चौधरी और RLP नेता दिनेश भामासी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। नेताओं के प्रमुख वक्तव्य राजेश चौधरी (संगठन संयोजक, शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच): "आज हमारे राज्य वृक्ष खेजड़ी का अस्तित्व खतरे में है। हम सरकार से केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस 'खेजड़ी बचाओ कानून' की मांग करते हैं। शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच ने हमेशा हक की लड़ाई लड़ी है, और आज हम यह संकल्प लेते हैं कि जब तक खेजड़ी के संरक्षण के लिए कड़ा केंद्रीय कानून नहीं बन जाता, हमारा यह संघर्ष और 4 फरवरी का महापड़ाव जारी रहेगा। हम पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने

वाले माफियाओं को चैन से नहीं बैठने देंगे।"दिनेश भामासी (RLP नेता): "खेजड़ी राजस्थान की आन-बान और शान है। प्रशासन और भू-माफियाओं की मिलीभगत से हो रही अवैध कटाई को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार को चेतावनी है कि यदि जल्द ही इस पर सख्त कानून नहीं बनाया गया, तो पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।"ज्ञापन की मुख्य मांगें खेजड़ी की कटाई को गैर-जमानती अपराध घोषित किया जाए।पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष केंद्रीय कानून लागू हो। जिले में पेड़ों की अवैध कटाई की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बने। इस अवसर पर अंकुश चौधरी,दिनेश भामासी कपिल ढाका, राजेश चौधरी, राजेंद्र साहू, विकास भामासी, रूपेश जाट भामासी,सुरेंद्र दुलड, अजय गढ़वाल, विकास महेरिया सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

2025 को समाप्त अवधि के दौरान दर्ज किया 31,326 करोड़ का नया बिज़नेस प्रीमियम

मुंबई, एजेंसी। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 31,326 करोड़ का नया बिज़नेस प्रीमियम दर्ज किया, जो 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि में 26,256 करोड़ था। नियमित प्रीमियम में 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। गौरतलब है कि एसबीआई लाइफ का सुरक्षा संबंधी नया बिज़नेस प्रीमियम 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,411 करोड़ रहा। सुरक्षा संबंधी व्यक्तिगत नया बिज़नेस प्रीमियम 31 दिसंबर 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 651 करोड़ रहा। व्यक्तिगत नया बिज़नेस प्रीमियम 22,545 करोड़ रहा, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि के मुकाबले 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एसबीआई लाइफ का कर पश्चात मुनाफा, 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त अवधि के दौरान 1,666 करोड़ रहा, जिसमें 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अवधि के मुकाबले 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 31 दिसंबर, 2025 तक 1.91 पर मज़बूत बना हुआ है, जबकि नियामकीय अनिवार्यता 1.50 है। एसबीआई लाइफ का एयूएम भी 16 प्रतिशत बढ़कर 31 दिसंबर, 2025 को 5,11,708 करोड़ हो गया, जो 31 दिसंबर, 2024 को 4,41,678 करोड़ था, जिसमें डेट-इक्विटी मिश्रण 59 :41 है। डेट इन्वेस्टमेंट (ऋण निवेश) का 94.97 प्रतिशत एएए और सॉवरेन इंस्ट्रूमेंट में है। कंपनी के पास 3,53,506 प्रशिक्षित बीमा पेशेवरों का विविधीकृत नेटवर्क है और देश भर में 1,176 कार्यालयों के साथ इसकी व्यापक उपस्थिति है। इसमें मज़बूत बैंकएश्योरेंस चैनल, एजेंसी चैनल और अन्य शामिल हैं, जिनमें कॉर्पोरेट एजेंट, ब्रोकर, पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) व्यक्ति, बीमा विपणन फर्म, वेब एग्रीगेटर और डायरेक्ट बिज़नेस शामिल हैं।

सुर्खियों में आई ह्यूंडई और आईसीसी की साझेदारी

गुरुग्राम, एजेंसी। आईसीसीमेन्स टी20 वर्ल्ड 2026 के लिए उत्साह लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में ह्यूंडई मोटर कंपनी की आईसीसी के साथ मल्टी-ईयर प्रीमियर पार्टनरशिप के तहत ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एच एम आई एल) ने दीवाने इंडिया का दीवाना हमसफर ब्रांड कैंपेन लॉन्च किया है। यह एक व्यापक, हाई-इम्पैक्ट राष्ट्रव्यापी ब्रांड कैंपेन है। भारत में क्रिकेट के प्रति गहरे जुनून का जश्न मनाने और साथ ही फैंस एवं ग्राहकों के साथ ह्यूंडई के भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया यह इंटीग्रेटेड कैंपेन ऑन-ग्राउंड अनुभवों, यादगार पलों, डीलरशिप एक्टिवेशन और मास-मीडिया आउटरीच तक फैला है। इसमें खेल, मोबिलिटी और फैनडम को अभूतपूर्व तरीके से साथ लाया गया है। एच एम आई एल के ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान के नेतृत्व में यह कैंपेन आईसीसी के साथ ह्यूंडई के जुड़ाव को और मजबूत करता है, साथ ही क्रिकेट के लिए भारत के कभी न खत्म होने वाले प्यार और जुनून के साथ ब्रांड के गहरे कनेक्शन को भी दिखाता है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए और आईसीसीमेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया को सफलता की शुभकामनाएं देते हुए ह्यूंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री तरुण गर्ग ने कहा, भारत में क्रिकेट निरंतरता, विश्वास और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। ये ऐसे मूल्य हैं जो ह्यूंडई में हमारे साथ गहराई से जुड़े हैं। आईसीसी के प्रीमियर पार्टनर के तौर पर एच एम आई एल को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले 'दीवाने इंडिया का दीवाना हमसफर' ब्रांड कैंपेन लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है। यह कैंपेन एक ऐसी सच्चाई से प्रेरित है जिसे नकारा नहीं जा सकता।

ट्रेड डील से टेक्सटाइल शेयरों में बंपर तेजी कई स्टॉक्स में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही रॉकेट बन गए हैं। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने से गारमेंट एंड अपैरल कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। अमेरिका ने भारत से होने वाले एक्सपोर्ट पर टैरिफ को घटाकर 18 पर्सेंट कर दिया है। टैरिफ घटने के बाद गोकलदास एक्सपोर्ट्स, किटेक्स गारमेंट्स, वेलस्पन लिविंग, इंडो काउंट इंडस्ट्रीज, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज, अरविंद लिमिटेड और केपीआर मिल के शेयरों में 20 पर्सेंट तक की तेजी देखने को मिली है।

20 प्रतिशत के अपर सर्किट पर इन कंपनियों के शेयर- गोकलदास एक्सपोर्ट्स लिमिटेड, किटेक्स गारमेंट्स और इंडो काउंट इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 20 पर्सेंट के अपर सर्किट पर पहुंच गए हैं। गोकलदास एक्सपोर्ट्स के शेयर 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 696.10 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, किटेक्स गारमेंट्स के शेयरों में भी 20 पर्सेंट का अपर सर्किट लगा है और कंपनी के शेयर 196.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडो काउंट इंडस्ट्रीज के शेयर 20 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 286.90 रुपये पर पहुंच गए हैं।

इन कंपनियों के शेयरों में भी अच्छी तेजी- वेलस्पन लिविंग, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज, अरविंद लिमिटेड और केपीआर मिल के शेयरों में भी तूफानी तेजी देखने को मिली है। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने के बाद मंगलवार को वेलस्पन लिविंग के शेयर 18 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 144.80 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। केपीआर मिल लिमिटेड के शेयर भी 15 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 989.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

अब वियतनाम और बांग्लादेश से भी कम टैरिफ

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने के बाद इंडियन एक्सपोर्ट पर 18 पर्सेंट का टैरिफ लगेगा, जो कि वियतनाम और बांग्लादेश जैसे दूसरे बड़े गारमेंट एक्सपोर्ट हब से कम होगा। वियतनाम और बांग्लादेश से होने वाले एक्सपोर्ट पर 20 पर्सेंट का टैरिफ लग रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यूएस रेडीमेड गारमेंट इंपोर्ट्स में बांग्लादेश की बाजार हिस्सेदारी 9 पर्सेंट थी, जबकि वियतनाम का मार्केट शेयर 19 पर्सेंट है। भारत की बाजार हिस्सेदारी 6 पर्सेंट है। टैरिफ घटने के बाद भारत की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है।

ट्रंप के टैरिफ कटौती का असर, एक्सपर्ट बोले 25500 के पार जाएगा निफ्टी 50

आखिरकार लम्बे इंतजार के बाद भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ हटा लिया गया है। वहीं, टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है। बता दें, मौजूदा समय में अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। यानी अमेरिका ने भारत पर 32 प्रतिशत टैरिफ घटाया है। ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने की वजह से भारत पर अधिक टैरिफ लगा दिया था।शेयर बाजार के लिए बजट 2026 के बाद एक और बड़ी खबर है। इस पॉजिटिव असर मार्केट पर आज साफ देखने को मिल सकता है। स्टॉक मार्केट से जुड़े एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी खबर है। उनका कहना है कि मार्केट नेशनल इकनॉमी को ही दर्शाता है। ऐसे में निफ्टी की गैप-अप ओपनिंग हो सकती है। लेकिन जल्द ही यह 25500 को क्रॉस कर सकता है। एक्सपर्ट्स फार्मा, आईटी, ऑटो, टेक्सटाइल, गेम्स और ज्वेलरी आदि कंपनियों के शेयरों में हलचल देखने को मिल सकती है। स्क्रष्ट ग्लोबल सिक्योरिटीज की सीनियर रिसर्च एक्सपर्ट सीमा श्रीवास्तव कहती हैं, एक बार दोनों सरकारों की तरफ से पूरी जानकारी सामने आ जाए।

तेल की कीमतों में 5 प्रतिशत की गिरावट

क्या अमेरिका और ईरान के बीच बन गई बात? भारत पर क्या असर

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतें 5 फीसदी गिर गई हैं। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने के संकेत हैं। बाजारों में यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान वाशिंगटन के साथ बातचीत कर रहा है। इन बयानों से एक ओपीइसी सदस्य से जुड़े संघर्ष

की चिंताएं कम हो गईं। यह गिरावट ऐसे समय में आई जब कमोडिटी बाजारों में भी नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड और यूएस क्रूड दोनों ही भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण कई महीनों की ऊंचाई से नीचे आ गए।

पिछले कुछ दिनों में अमेरिकी डॉलर भी मजबूत हुआ है। मजबूत डॉलर ने अमेरिका के बाहर के खरीदारों के लिए डॉलर-मूल्य वाले तेल को महंगा बना दिया। ओपीइसी ने भी उत्पादन अपरिवर्तित रखने का फैसला किया, जिससे तेल बाजार में पर्याप्त आपूर्ति की चिंताएं बढ़ गईं। तेल की कीमत में 5 फीसदी की गिरावट के बाद ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0528 एमटी पर 65.94 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 61.88 डॉलर प्रति बैरल पर था।

ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

कुल इश्यू आकार - 10 अंकित मूल्य के अधिकतम 48,91,200 इक्विटी शेयर

मुंबई, एजेंसी। ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड, भारत में प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के लिए एक तेज़ी से उभरता रिटेल एवं डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म, बुधवार, 4 फ़रवरी, 2026 को अपना इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रहा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 86.09 करोड़ जुटाने का है। इसके शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे।

इस इश्यू का आकार 10 अंकित मूल्य वाले 48,91,200 इक्विटी शेयरों का है, जिनका प्राइस बैंड 167 से 176 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग 15 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स और मल्टी-ब्रांड आउटलेट्स शुरू कर नए रिटेल नेटवर्क के विस्तार हेतु पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण, नए ईबीओएस और एमबीएस की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं, मौजूदा ईबीओएस और एमबीएस की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों के लिए किया जाएगा। एंकर बिडिंग मंगलवार, 03 फ़रवरी, 2026 को होगी। इश्यू बुधवार, 04 फ़रवरी, 2026 को खुलेगा और शुक्रवार, 06 फ़रवरी, 2026 को बंद होगा। इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर ग्रीटेक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड हैं तथा रजिस्ट्रार टू द इश्यू बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड हैं। ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड के प्रमोटर, प्रबंध निदेशक एवं चेयरमैन श्री अरुण मल्होत्रा ने कहा, हमारे इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग का शुभारंभ ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वर्षों के दौरान कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय फुटवियर और परिधान ब्रांड्स के विविध पोर्टफोलियो तथा मल्टी-चैनल ऑपरेटिंग मॉडल के माध्यम से संगठित रिटेल क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। फ्रेश इश्यू से प्राप्त धनराशि का उपयोग रिटेल नेटवर्क के विस्तार, मौजूदा आउटलेट्स के नवीनीकरण तथा कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने में किया जाएगा, जिससे परिचालन दक्षता बढ़े और सभी चैनलों में बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। ग्रीटेक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड होल टाइम डायरेक्टर श्री सुमीत हरलालका ने कहा, मजबूत बुनियादी आधार, विविध बिक्री चैनल मिश्रण और संगठित फुटवियर एवं परिधान क्षेत्र में स्थापित उपस्थिति के साथ यह एक रिटेल-केंद्रित कंपनी है। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ मजबूत संबंधों और प्रमुख बाजारों में बढ़ते रिटेल नेटवर्क के बल पर कंपनी ने परिचालन में निरंतर वृद्धि प्रदर्शित की है।

एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़' कर रहा है वापसी सीज़न 9 में पांच ख़ास सेलिब्रिटी होम टूर के साथ

साथ ही, 'एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़ लुकबुक' भी जारी की है, जो कस्टमर्स को अपने घरों के लिए कलर और डेकॉर आइडिया समझाने में मदद करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी पेंट और डेकॉर कंपनी एशियन पेंट्स अपने लोकप्रिय होम डेकॉर और स्टोरीटेलिंग सीरीज़, एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़ के 9वें सीज़न के साथ वापसी कर रही है। इस सीज़न में भारत की मशहूर हस्तियों के पांच घरों को दिखाया जाएगा, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा-ज़हीर इकबाल, गौतम गंभीर, कीर्ति सुरेश-एंटनी थट्टिल, अर्चना पूरन सिंह-परमीत सेठी, और अमन व प्रिया गुप्ता शामिल हैं। हालांकि हर घर स्टाइल, बनावट और पर्सनैलिटी में अलग होता है, लेकिन हर घर में प्यार, सच्चाई और भावनात्मक लगाव ज़रूर देखने को मिलता है। दर्शक ऐसी जगहों में प्रवेश करते हैं जो ऊर्जा और अपनेपन से भरपूर है, जहां उनमें रहने वाले लोगों के जीवन की झलक मिलती है। अर्चना और परमीत दर्शकों को मढ़ में स्थित अपने एंग्लो-स्पेनिश स्टाइल से इंस्पायर्ड घर में आमंत्रित करते हैं। यह घर समय के साथ-साथ परिवार के अपनेपन, भावनाओं और यादों के साथ धीरे-धीरे विकसित हुआ है। कीर्ति और एंटनी का ऊर्जा से भरपूर कोच्चि अपार्टमेंट रंगों और भावनाओं के साथ उनके नैचुरल लगाव को दर्शाता है। सोनाक्षी और ज़हीर अपने पेंटहाउस सादा के दरवाज़े जब खोलते हैं, तो एक ऐसा घर सामने होता है, जो कई तरह के भावों को समेटे हुए है। यहां जोशभरी बातें भी

होती हैं और शांत, यादों से भरे कोने भी हैं। एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज के नौवें सीज़न के साथ, हमें उस यात्रा को जारी रखने पर गर्व है जिसके लिए एशियन पेंट्स दशकों से प्रतिबद्ध है। इससे लोगों को अलग नज़रिए से देखने में मदद मिलेगी। लोग समझ पाएंगे कि हम भारतीयों को अपने घरों को सिर्फ़ रहने की एक जगह के रूप में नहीं, बल्कि हमारे व्यक्तित्व की छवि प्के रूप में देखना चाहिए। 1 बिलियन से अधिक व्यूज़, जो लगातार बढ़ रहे हैं, के साथ एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज भारत का सबसे पसंदीदा और देखा जाने वाला होम डेकोर शो बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में, यह सीरीज़ एक ऐसा मंच बन चुकी है, जो कस्टमर्स को रंग, डेकॉर और डिज़ाइन के बारे में गाइड करती है। इससे कस्टमर्स को न सिर्फ़ आसान चॉइस और ट्रेंड्स की जानकारी मिलेगी, बल्कि यह भी समझ आएगा कि सोच-समझकर लिए गए डिज़ाइन डिसीज़न कैसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बना सकते हैं। एक ऐसे ब्रांड के रूप में जो लंबे समय से रंग और डिज़ाइन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, हम हर काम पूरी ज़िम्मेदारी से करते हैं। गौतम का शांत, रोशनी से भरपूर घर उनकी सार्वजनिक पर्सनैलिटी से बिल्कुल अलग है। ऐसा लगता है मानो उनका घर शांति और सुकून भरे पलों के लिए बनाया गया है।

सोना-चांदी की लगी है सेल...

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना और चांदी में पिछले तीन दिनों में भारी गिरावट आई है। सोना जहां प्रति 10 ग्राम डेढ़ लाख रुपये से नीचे आ गया है तो वहीं चांदी भी ढाई लाख रुपये से नीचे आ गई। इसी बीच रिच डैड पुअर डैड किताब के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने सोमवार को सोने और चांदी की कीमत में गिरावट को लेकर एक पोस्ट की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए उन्होंने अमीर और गरीब के बीच में अंतर समझाया है। कियोसाकी की यह पोस्ट सोना और चांदी में आई गिरावट में खरीदारी को लेकर है। उन्होंने लिखा है, अमीर और गरीब लोगों में फर्क देखिए। जब

वॉलमार्ट में सेल लगती है, तो गरीब लोग दौड़कर सब कुछ खरीद लेते हैं। लेकिन जब शेयर बाजार या किसी भी वित्तीय बाजार में गिरावट आती है, जिसे क्रैश कहते हैं, तो गरीब लोग घबराकर बेच देते हैं। वहीं अमीर लोग इसी मौके का फायदा उठाते हैं और खूब खरीदते हैं।

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि सोना, चांदी और बिटकॉइन में गिरावट किसी सेल से कम नहीं है। उन्होंने लोगों से कहा है कि ऐसे में इन चीजों को खरीदारी करनी चाहिए। पोस्ट में उन्होंने लिखा है, अभी सोना, चांदी और बिटकॉइन के बाजार में गिरावट आई है, यानी एक तरह की सेल लगी है। मैं भी पैसे लेकर तैयार हूं, ताकि जब ये चीजें सेल पर हों, तो और खरीद सकूं। आप क्या करेंगे?

पटेल रिटेल लिमिटेड का क्यू3 एफवाय26 राजस्व 36 प्रतिशत बढ़ा, मुनाफ़ा 96 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। पटेल रिटेल लिमिटेड एक विविधीकृत रिटेल एवं फूड प्रोसेसिंग कंपनी, ने क्यू3 एवं 9एम एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय रिपोर्ट्स की घोषणा की।

पटेल रिटेल लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री धनजी पटेल ने कहा, क्यू3 एफवाय26 और नौ माह की अवधि के दौरान मिले मज़बूत और निरंतर प्रदर्शन से हम उत्साहित हैं, जो हमारी परिचालन रणनीति की प्रभावशीलता और निष्पादन पर हमारे फोकस को दर्शाता है। बेहतर लाभप्रदता, मार्जिन में विस्तार और स्थिर नकदी सृजन हमारे एकीकृत रिटेल एवं फूड प्रोसेसिंग मॉडल की मजबूती को रेखांकित करते हैं। घरेलू रिटेल और निर्यात-दोनों ही सेगमेंट्स में मांग की गति स्वस्थ बनी रही, जिसे कुशल सोर्सिंग, सुव्यवस्थित संचालन और अनुशासित लागत प्रबंधन का समर्थन मिला।

तिमाही के दौरान, हमने कई भौगोलिक क्षेत्रों में नए निर्यात अनुबंधों के ज़रिए अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को और मज़बूत किया, जिससे हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और डिलीवरी क्षमताओं पर वैश्विक भरोसा और सुदृढ़ हुआ। इसके साथ ही, हमने टिटवाला में एक नया स्टोर जोड़कर अपने भौतिक रिटेल नेटवर्क का विस्तार किया, जिससे तेज़ी से बढ़ते उपनगरीय बाज़ार में ग्राहकों तक हमारी पहुँच बढ़ी।

भारतीय स्टेट बैंक उभरते क्षेत्रों को ज़िम्मेदार और विस्तारयोग्य वित्तपोषण प्रदान करने के लिए है प्रतिबद्ध

मुंबई, एजेंसी। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 'चक्र' उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सलेंस ङ्क सीओई) लॉन्च करने की घोषणा की, जो भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण उभरते क्षेत्रों को वित्तपोषण प्रदान करेगा। यह केंद्र बैंक की विकसित भारत 2047 के प्रति रणनीतिक प्रतिबद्धता को दृढ़ता प्रदान करते हुए, नए दौर के प्रौद्योगिकी आधारित और वहनीयता केंद्रित उभरते क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण सक्षम बनाने के लिहाज़ से ज्ञान-आधारित मंच के रूप में काम करेगा।

एसबीआई ज़िम्मेदारी से पूंजी प्रवाह प्रदान कर, जोखिम मूल्यांकन क्षमताओं को मज़बूत कर और नए दौर के व्यावसायिक मॉडल तथा नीतिगत प्राथमिकताओं के अनुरूप नवोन्मेषी वित्तपोषण ढांचे विकसित कर इन विशाल पूंजी-आधारित क्षेत्रों को सक्षम बनाना चाहता है।

इस केंद्र का उद्घाटन वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने एसबीआई के अध्यक्ष, चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी की उपस्थिति में किया। इस लॉन्च कार्यक्रम में

एसबीआई के प्रबंध निदेशक के साथ-साथ अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा वैश्विक बैंकों, प्रमुख समूहों, वित्तीय संस्थानों, उद्योग निकायों के प्रतिनिधि और इस परितंत्र से जुड़े अन्य प्रमुख प्रतिभागी भी मौजूद रहे।

केंद्रीय वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू ने कहा, चक्र उत्कृष्टता केंद्र, भारतीय स्टेट बैंक की बेहद सराहनीय पहल है। ज्ञान-साझाकरण, परियोजना मूल्यांकन, क्षमता निर्माण और साक्ष्य-आधारित नीतिगत जुड़ाव के उद्देश्य से एक समन्वित केंद्र बनाने का दृष्टिकोण विकसित भारत 2047 की दिशा में भारत की प्रगति को सार्थक गति प्रदान करेगा।

यह केंद्र आठ उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत सेल केमिस्ट्री एवं बैटरी भंडारण, इलेक्ट्रिक वाहन, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, डीकार्बनाइज़ेशन, स्मार्ट बुनियादी ढांचा और डेटा सेंटर बुनियादी ढांचा, जो भारत के आर्थिक भविष्य के प्रमुख तत्व के रूप में उभर रहे हैं। उम्मीद है कि 2030 तक, इन आठ उभरे क्षेत्रों में 100 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश होगा। यह केंद्र इस विशाल निवेश को सक्षम बनाने में मदद करेगा।

इन्विक्टा डायग्नोस्टिक का दादर सेंटर शुरू

मुंबई, एजेंसी। इनविक्टा डायग्नोस्टिक लिमिटेड जो महाराष्ट्र के हेल्थकेयर सेवा क्षेत्र में अग्रणी डायग्नोस्टिक सेवा प्रदाताओं में से एक है, ने घोषणा की है कि उसके दादर केंद्र में 30 जनवरी, 2026 से वाणिज्यिक परिचालन प्रारंभ हो गया है। यह केंद्र कंपनी की डायग्नोस्टिक सेवा क्षमताओं के विस्तार और महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस केंद्र पर पीईटी-सीटी स्कैन, सीटी स्कैन, सोनोग्राफी , पैथोलॉजी और एक्स-रे सहित उन्नत एवं नियमित जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

दादर केंद्र, टाटा मेमोरियल अस्पताल के निकट, लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह उच्च मांग वाले ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। इस निकटता के कारण उन मरीजों को तेज़ी से सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिन्हें बड़े तृतीयक देखभाल संस्थानों में पीईटी-सीटी जांच के लिए कई दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

इस परियोजना की कुल लागत लगभग 550 लाख है, जिसमें उपकरणों की लागत, स्थापना एवं अन्य संबंधित खर्च शामिल हैं। दादर केंद्र में सेवाओं की शुरुआत से मरीजों को समय पर डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, चिकित्सकों को तेज़ रिपोर्टिंग में सहायता मिलेगी, और उच्च आवश्यकता वाले हेल्थकेयर क्लस्टर्स में क्षमता निर्माण की कंपनी की रणनीति को और मजबूती मिलेगी।इनविक्टा डायग्नोस्टिक लिमिटेड के चेयरमैन एवं नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री संकेत विनोद जैन ने कहा,दादर केंद्र में वाणिज्यिक परिचालन की शुरुआत हमारी उस रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत हम प्रमुख शहरी हेल्थकेयर बाज़ारों में डायग्नोस्टिक क्षमता का विस्तार और उन्नत इमेजिंग सुविधाओं को जोड़ रहे हैं। यह केंद्र पीईटी-सीटी और सीटी जैसी उन्नत सेवाओं के साथ-साथ नियमित डायग्नोस्टिक सेवाओं को भी मज़बूत करता है और गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने पर हमारे फोकस को समर्थन देता है।

दादर केंद्र का स्थान हमें बड़ी संख्या में डायग्नोस्टिक मांग, विशेष रूप से समय-संवेदनशील इमेजिंग आवश्यकताओं, को पूरा करने में सक्षम बनाता है। हमें उम्मीद है कि यह केंद्र निरंतर उपयोग, परिचालन दक्षता और चिकित्सकों एवं मरीजों के साथ गहरे जुड़ाव को बढ़ावा देगा, क्योंकि हम महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

'गलतियां बोझ नहीं, सीख होती हैं'

मोना सिंह

मोना सिंह ने टीवी इंडस्ट्री में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड की तरफ रुख किया. हाल ही में उन्हें सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 में उनकी पत्नी की भूमिका में देखा गया। मोना सिंह टीवी का वो नाम है जिसने बेहद कम उम्र में अपने एक्टिंग और किरदार से लोगों का दिल जीता है। चाहे वो जस्सी जैसी कोई नहीं में जस्सी का किरदार हो या क्या हुआ तेरा वादा में मोना का किरदार हो। उन्होंने सारे किरदार बखुबी निभाए । दिनों बॉर्डर 2 में अपने रोल को लेकर चर्चा में छाई मोना ने जिंदगी जीने के तरीको को लोगों के सामने रखा है। दुनिया में दो तरह के लोग होते है पहला वो जो गलती करता है और उसे अपने ऊपर हावी कर लेता है और दूसरा वो जो अपनी गलतियों से सिखकर आगे बढ़ता है। दुनिया में दो तरह के लोग होते है पहला वो जो गलती करता है और उसे अपने ऊपर हावी कर लेता है और दूसरा वो जो अपनी गलतियों से सिखकर आगे बढ़ता है। इस बात पर अभिनेत्री मोना सिंह ने खुलकर बात की और कहा है कि गलतियां बोझ नहीं, बल्कि सीख होती हैं। गलतियां हमें सही और गलत के बीच का फर्क बताती है। गलतियां करके रुक जाना सही नहीं बल्कि गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना होता है इसी में समझदारी होती है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है

मेधा राणा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंनेअपने जीवन में आए बदलावों के बारे में कहा, ''साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।''जब 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा निजी बदलाव क्या रहा है, तो मेधा ने कहा, ''मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।'' मेधा राणा ने कहा, ''फिल्म 'बॉर्डर 2' मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।''

एजाज खान ने ब्रेकअप के लिए एक्स गर्लफ्रेंड्स को ठहराया जिम्मेदार

एक्टर एजाज खान ने कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने ब्रेकअप के लिए अपनी एक्स गर्लफ्रेंड्स की गलतियों को जिम्मेदार ठहराया है। टीवी और फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मंझा चुके एजाज खान 50 की उम्र में भी कुंवारे हैं। उन्होंने शादी नहीं की है। हालांकि उनके जो चर्चित अफेयर्स जरूर रहे हैं, जिनके बारे में कई बार उन्होंने बात की है। साथ ही उनके एक्स गर्लफ्रेंड्स भी ब्रेकअप के एक्टर को जिम्मेदार ठहरा चुकी हैं। अब 'बिग बॉस 14' के कंटेस्टेंट ने खुद इस बारे में खुलकर बात की है। बताया है कि उनके दोनों असफल रिश्ते दोनों पार्टनर्स की गलतियों का नजीता रहे हैं। साथ ही बोले कि वह अपनी उम्र से खुश हैं और शादी-बच्चे नहीं करना चाहते। न ही इस बारे में सोचते हैं। एजाज खान ने एक इंटरव्यू में अपने पिछले रिश्तों के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अगर वह अपने पिछले रिश्तों को एनलाइज करने की कोशिश करते हैं तो उन्हें लगता है कि जैसे वह उसमें एक्स की खामियों के बारे में बात कर रहे हैं। और अगर वह उनकी कमियों के बारे में बात नहीं करते हैं तो उन्हें ऐसा लगता है कि वह खुद को ही दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन अगर वह उन पार्टनर्स की कमियों के बारे में बात करते हैं तो उन्हें खुद को लगेगा कि वह एक सभ्य इंसान नहीं हैं। इसलिए उन्होंने कहा कि उनके दोनों रिश्ते इसलिए असफल हुए क्योंकि दोनों पार्टनर्स की कमियां थीं।

महाशिवरात्रि यानी 15 फरवरी को लॉन्च होगा 'नागबंधम' का टीज़र, मेकर्स ने की घोषणा

2026 की सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाली पैन-इंडिया फिल्मों में शामिल नागबंधम हर नए अपडेट के साथ दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा रही है। मेकर्स लगातार दमदार पोस्टर्स और कैरेक्टर रिवील्स के ज़रिए माहौल बना रहे हैं। मेल लीड का कैरेक्टर पोस्टर सामने आने के बाद अब फोकस फीमेल लीड नभा नतेश पर गया है, जिनका पार्वती के रूप में पहला लुक सामने आते ही फैंस को खूब पसंद आ रहा है। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म का टाइटल नागबंधम, जिसके साथ टैगलाइन है 'द सेक्रेट ट्रेजर', कहानी में छिपे रहस्य, पौराणिक पहलू और अनदेखे सच की ओर इशारा करता है। एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब टीज़र रिलीज़ की तारीख भी अनाउंस कर दी है, जो शुभ अवसर महाशिवरात्रि के दिन होगी, और इसके साथ शेयर किया गया है एक दमदार कैप्शन जो फिल्म की दिव्य कहानी की झलक देता है: 'जब भगवान शिव जागते हैं, तो एक भूला हुआ रहस्य भी करवट लेता है #NagabandhamTeaser 15 फरवरी को इस महाशिवरात्रि, एक दिव्य रहस्य से उठेगा पर्दा..!! हर हर महादेव 'इससे पहले मेकर्स फिल्म की एक झलक भी शेयर कर चुके हैं, जिसमें टाइटल, शानदार विजुअल इफेक्ट्स और दमदार बैकग्राउंड स्कोर देखने को मिला था। जो भी सामने आया है, उससे साफ है कि नागबंधम हर लिहाज़ से भव्य और बड़े स्तर की फिल्म होने वाली है।नभा नतेश का पहला मोशन पोस्टर सामने आते ही चर्चा तेज हो गई। पारंपरिक साड़ी में नजर आ रहीं नभा नतेश के लुक में सादगी के साथ एक अलग ही मजबूती दिखती है। इसके बाद पार्वती के किरदार का एक और शानदार मोशन पोस्टर रिलीज़ किया गया, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। 'द सीक्रेट ट्रेज़र' टैगलाइन के साथ आई नागडुंधम अपने नाम से ही इस बात का इशारा करती है कि कहानी में कई राज़ और रहस्य छुपे हैं, जो धीरे-धीरे सामने आने वाले हैं। नागबंधम की कहानी, स्क्रीनप्ले और निर्देशन अभिषेक नामा ने संभाला है। फिल्म को किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसे 2026 में पैन-इंडिया लेवल पर रिलीज़ किया जाएगा।

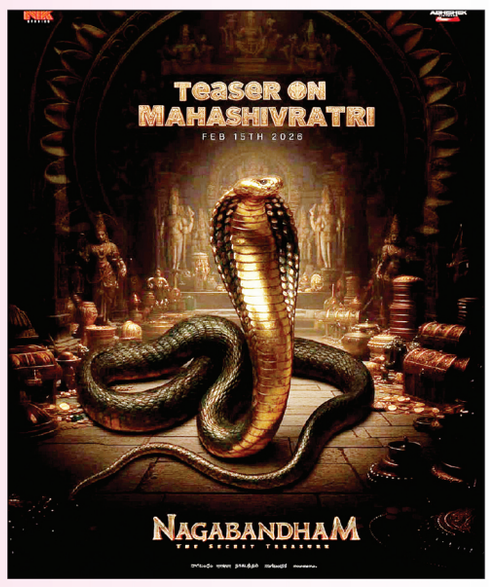

उर्फी जावेद

से कंटेस्टेंट ने की बदतमीजी

भड़के करण कुंद्रा ने जमकर लगाई क्लास

उर्फी जावेद आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। कभी अपने अतरंगी आउटफिट की वजह से तो कभी अपने कंट्रोवर्सी भरे बयान की वजह से. एक बार फिर से ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है।उर्फी जावेद आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं. कभी अपने अतरंगी आउटफिट की वजह से तो कभी अपने कंट्रोवर्सी भरे बयान की वजह से. एक बार फिर से ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है। उर्फी जावेद के संग हाल ही में एक कंटेस्टेंट ने बदतमीजी की, जिसके बाद शो के होस्ट करण कुंद्रा ने उसकी जकर फटकार लगाई और एक्ट्रेस का साइड लिया। ,स्प्लिट्सविला 16 इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। इस शो में हाई वोल्टेज ड्रामा के साथ-साथ प्यार और रोमांस भी देखने को मिल रहा है. शो में मिसचीफ मेकर के तौर पर उर्फी जावेद भी नजर आ रही हैं। स्प्लिट्सविला 16 इन दिनों चर्चा में बना हुआ है. इस शो में हाई वोल्टेज ड्रामा के साथ-साथ प्यार और रोमांस भी देखने को मिल रहा है. शो में मिसचीफ मेकर के तौर पर उर्फी जावेद भी नजर आ रही हैं। दरअसल, शो के दौरान उर्फी जावेद और निया शर्मा कंटेस्टेंट से सवाल करते हुए दिखे कि वो प्यार और पैसे में किसे चुनेंगे। दरअसल, शो के दौरान उर्फी जावेद और निया शर्मा कंटेस्टेंट से सवाल करते हुए दिखे कि वो प्यार और पैसे में किसे चुनेंगे। लेकिन, इस दौरान कंटेस्टेंट हिमांशु ने उर्फी जावेद के संग बदतमीजी कर दी। ऐसे में उर्फी भी कंटेस्टेंट पर भड़क गई। हिमांशु पर चिल्लाते हुए उर्फी ने कहा कि मुझे पता नहीं है क्या कि तुमने पिछले शो में क्या किया है। मुझे पता है कि तुम कितने बदतमीज हो। उसके बाद शो के होस्ट करण कुंद्रा ने भी उर्फी जावेद की साइड ली और हिमांशु की लताड़ लगाई। उन्होंने हिमांशु से कहा कि मैंने तुम्हारी वीडियो देखी है। महिलाओं के साथ ऐसे बात नहीं की जाती है। करण ने कहा कि मैं तुमसे बहुत ज्यादा निराश हूं. उर्फी चाहती तो तुम्हें शो से बाहर भी कर सकती थी। क्योंकि उर्फी के पास इतनी पावर है। करण ने आगे कहा कि उर्फी ने ऐसा नहीं किया, इसलिए तुम्हें उसका शुक्रगुजार होना चाहिए और तुम उसके संग बदतमीजी कर रहे थे।

रणवीर सिंह ने अपनी अगली फिल्म धुरंधरः द रिवेंज का टीजर जारी किया

अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी फिल्म धुरंधर की बॉक्स ऑफिस पर भारी सफलता के बाद बहुप्रतीक्षित दूसरे भाग धुरंधरः द रिवेंज का टीजर साझा किया। टीजर में उनका जासूस-गैंगस्टर किरदार हमजा अली मजारी परिस्थितियों और प्रतिशोध की भावना के चलते पूरी तरह बदल जाता है और बदले के जुनून में बेहद खतरनाक तथा निर्मम हत्यारे के रूप में उभरता है। एक मिनट से अधिक लंबे इस टीजर के अंत में सिंह को यह कहते हुए सुना जा सकता है,"ए नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी।इसी के साथ अभिनेता ने फिल्म का पहला पोस्टर भी साझा करते हुए लिखा कि अब बिगड़ने का वक्त आ गया है। पहले भाग की उन घटनाओं की ओर इशारा है, जिसमें उनके किरदार को अक्षय खन्ना के किरदार रहमान डकैत के गुर्गे के रूप में ताकत जुटाते हुए दिखाया गया था।इसके बाद उन्होंने फिल्म की अगली कड़ी यानी धुरंधरः द रिवेंज का टीजर जारी किया।

कल्कि 2898 एडी के सीक्वल में दीपिका पादुकोण की जगह लेंगी सई पल्लवी?

आया नया अपडेट

प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी को फैंस ने काफी पसंद किया। फिल्म में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन जैसे स्टार्स थे। नाग अश्विन की इस फिल्म का दूसरा पार्ट आने वाला है। फिल्म के सीक्वल में दीपिका की जगह कौन लेगा इसे लेकर चर्चाएं हैं। अब खबरें हैं कि फिल्म के सीक्वल में दीपिका पादुकोण की जगह सई पल्लवी लेने वाली हैं। फिल्म की टीम के रिप्रजेंटेटिव ने ये कंफर्म किया है कि दीपिका पादुकोण की जगह सई पल्लवी को लेने को लेकर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया, 'कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। लेकिन हां, दीपिका की एग्जिट के बाद मेकर्स सई पल्लवी को SUM-80 के रोल के लिए देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि सई पल्लवी इस रोल के लिए परफेक्ट होंगी। हालांकि, सई पल्लवी को अभी फाइनल नहीं किया गया है। ऑफिशियल कंफर्मेशन का इंतजार करिए। प्रोड्यूसर कास्टिंग फाइनल होने के बाद स्टेटमेंट जारी करेंगे।' बता दें कि फिल्म में दीपिका सुमति या SUM-80 के रोल में थीं। वो प्रोजेक्ट के लिए लैब सब्जेक्ट थी, और प्रेग्नेंट थीं। लेकिन वो अमिताभ बच्चन के जरिए कमल हासन की यस्किन लैब से भाग जाती हैं। बता दें कि शोभिता धुलिपाला ने दीपिका को तेलुगू वर्जन में डब किया था। दूसरे पार्ट से दीपिका को निकाल दिया गया था। मेकर्स ने खुद इसकी अनाउंसमेंट की थी।

(साभार एजेंसी)

हरमनप्रीत, मंधाना और दिव्या '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन अवाईस' के लिए नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत की सूत्रधार कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और शतरंज की युवा स्टार दिव्या देशमुख को '2025 बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इनके अलावा पिस्टल निशानेबाजी की उभरती स्टार सुरुचि सिंह और ट्रैक एवं फील्ड एथलीट ज्योति याराजी भी इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार की दावेदार हैं।

बीबीसी की प्रतिक्रिया- महिला खिलाड़ियों के जश्न का मंच - बीबीसी न्यूज की अंतरिम वैश्विक निदेशक फियोना ऋैक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' पुरस्कार भारत भर की महिला खिलाड़ियों की एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रतीक है।

हरमनप्रीत कौर- विश्व कप जीत की नायिका

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नवंबर 2025 में भारत को आईसीसी महिला विश्व कप का पहला खिताब दिलाया। घरेलू सरजमीं पर खेले गए इस विश्व कप में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 339 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 88 गेंदों में 89 रनों की शानदार पारी खेली। 2017 विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 171 रनों की नाबाद पारी आज भी महिला क्रिकेट की महानतम पारियों में गिनी जाती है।

सुरुचि सिंह- निशानेबाजी की नई सनसनी

हरियाणा की 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में तेजी से पहचान बनाई है। उन्होंने 2024 राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक जीते और 2025 में ब्यूनस आयर्स, लीमा और म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप सीरीज में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल किए। साथ ही उन्होंने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता।

ज्योति याराजी-बाधाओं को पार करती उड़ान

ज्योति याराजी 2024 पेरिस ओलंपिक में 100 मीटर बाधा दौड़ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 2022 में 13.23 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और कई बार अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। याराजी ने एशियाई खेलों में रजत, विश्व विश्वविद्यालय खेलों में कांस्य और एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर खुद को एशिया की शीर्ष बाधा दौड़ एथलीट के रूप में स्थापित किया।

श्रीलंका के वर्ल्ड कप स्क्वॉड में कामिंडु मेंडिस की वापसी

- इंजर्ड ईशान मलिंगा भी शामिल, धनंजय डी सिल्वा को जगह नहीं; दासुन शनाका कप्तान

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए फाइनल स्क्वॉड रिलीज कर दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 खेलने वाले धनंजय डी सिल्वा को बाहर कर कामिंडु मेंडिस की वापसी हो गई। इंजर्ड पेसर ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर दासुन शनाका टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

आउट ऑफ फॉर्म हैं कामिंडु- कामिंडु मेंडिस इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ पिछली टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे। वे 2025 में 19.87 के औसत से 159 रन ही बना सके। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 130.32 का ही रहा। वे 12 मुकाबलों में महज 6 ओवर ही बॉलिंग भी कर सके। कामिंडु की खासियत यह है कि वे दोनों हाथों से स्पिन गेंदबाजी कर लेते हैं।

प्लेइंग-11 में आ सकते हैं वेल्लालागे- धनंजय डी सिल्वा को बाहर करने के बाद टीम अब 23 साल के लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे को भी प्लेइंग-11 में शामिल कर सकती है। हालांकि, वे श्रीलंका के लिए 6 ही टी-20 खेल सके हैं। वे वनडे टीम में जरूर रेगुलर रहते हैं, लेकिन टी-20 में अपनी जगह फिक्स नहीं कर पाए। वेल्लालागे को फ्रेंचाइजी लीग में जरूर टी-20 खेलने का अनुभव है। उन्होंने एमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका-ए की कप्तानी भी की थी।

पवन रत्नायके को भी जगह- इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में शतक लगाने वाले बैटर पवन रत्नायके को भी वर्ल्ड कप टीम में जगह मिल गई। वे 4 टी-20 में 45 रन ही बना पाए हैं। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 145 से ज्यादा का रहा। वहीं तेज गेंदबाज प्रमोद मदुषन को बाहर कर दिया।

8 फरवरी को पहला मैच खेलेगी श्रीलंका- श्रीलंका ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है। टीम ग्रुप स्टेज में अपने सभी मैच होम ग्राउंड पर ही खेलेगी। श्रीलंका 8 फरवरी को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। टीम 12 फरवरी को ओमान, 16 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 19 फरवरी को जिम्बाब्वे से भिड़ने वाली है। 2 मुकाबले कोलंबो और 2 पल्लेकेले में खेले जाएंगे।

श्रीलंका का स्क्वॉड

दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, कमिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, चरिथ असलंका, कामिंडु मेंडिस, जनिथ लियानागे, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, वनिंदू हसरंगा, महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, मथीश पथिराना और ईशान मलिंगा।

आज 19 वर्ल्ड कप अजेय भारत की नजर छठे खिताब पर

हरारे (एजेंसी)। आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अजेय भारतीय टीम बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की टीम इस मुकाबले में प्रबल दावेदार मानी जा रही है और उसकी नजरें रिकॉर्ड छठा खिताब जीतने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर होंगी। भारत -19 वर्ल्ड कप के इतिहास की सबसे सफल टीम है, जिसने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में खिताब जीता है। अब टीम बुधवार को छठी बार चैंपियन बनने की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी।

अब तक अजेय भारत का दबदबा

भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले गए अपने सभी पांच मुकाबले काफी सहजता से जीते हैं। सुपर सिक्स चरण में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 58 रन से हराना टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत करता है।

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से टक्कर

- **अफगानिस्तान का सफर भी प्रभावशाली -** अफगानिस्तान ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच में से चार मैच जीते, जबकि उसकी इकलौती हार श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट से हुई। हालांकि मौजूदा फॉर्म और टीम संयोजन को देखते हुए नॉकआउट मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।
- **अभिज्ञान, सूर्यवंशी भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज -** विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू भारत के लिए अब तक सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 मैचों में 199 रन बनाए हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने भी शानदार फॉर्म दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 196 रन बनाए हैं और 2 अर्धशतक जड़े हैं। हालांकि टीम प्रबंधन उनसे नॉकआउट मुकाबले में अर्धशतक को शतक में बदलने की उम्मीद करेगा।

टीमें

भारत -19- एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हर्वंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद इनान, उधव मोहन, किशन सिंह

अफगानिस्तान -19- महबूब खान (कप्तान), अज़ीज़ुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोज़ादा, खालिद अहमदज़ई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाज़ई, अब्दुल अज़ीज़, अकील खान, खतिर स्तानिकज़ई, नज़ीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी ओमरज़ई, रूउल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह ज़दरान, ज़ैतुल्लाह शाहीन

स्पिन विभाग में खिलान पटेल की चमक

बाएं हाथ के स्पिनर खिलान पटेल ने भी टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने 5 मैचों में 8 विकेट लेकर विपक्षी टीमों को परेशान किया है। इसके अलावा कप्तान म्हात्रे और विहान मल्होत्रा भी अपनी ऑफ ब्रेक गेंदबाजी से योगदान देने को तैयार हैं।

मैच का समय

यह सेमीफाइनल मुकाबला बुधवार को दोपहर 1:00 बजे (आईएसटी) शुरू होगा।

कप्तान आयुष म्हात्रे पर दोहरी जिम्मेदारी

कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में निरंतरता दिखाई है। उन्होंने 5 मैचों में 6 विकेट लिए हैं, हालांकि बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। अब तक उनके नाम 99 रन हैं, जिसमें 53 रन उनका सर्वोच्च स्कोर रहा है।

गेंदबाजी में हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश की अगुआई

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथों में है। दोनों ने शुरुआती ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 11-11 विकेट झटके हैं।

विहान मल्होत्रा का ऑलराउंड असर

ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा भारत के लिए एक और अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5 मैचों में 172 रन बनाए हैं और टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र शतक (109 नाबाद) जिम्बाब्वे के खिलाफ जड़ा था।

ओलिंपियन पहलवान ने लग्न में सिर्फ चांदी का सिक्का लिया

दोस्त के पिता की बेटी संग की शादी

झज्जर (एजेंसी)। झज्जर के रहने वाले ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया आज 3 फरवरी को विवाह के बंधन में बंध गए।

झज्जर शहर के धनखड़ फार्म हाउस में लग्न टीके (तिलक) का कार्यक्रम हुआ। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि लंच में 500 लीटर देसी घी के अलग-अलग पकवान तैयार किए गए। लग्न में दीपक ने सिर्फ एक रुपए का चांदी का सिक्का लिया। दीपक पूनिया सेना में सूबेदार हैं। वह अपने पिता के दोस्त की बेटी शिवानी के साथ सात फेरे लेंगे। दीपक और शिवानी की 28 सितंबर 2025 को सगाई हुई थी। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए। शिवानी संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं, उनका आईएएस अफसर बनने का सपना है।

शिवानी के पिता प्रॉपर्टी डीलर, अखाड़े में हुई जान-पहचान- दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें।

शिवानी बोलीं

दोनों परिवारों की रजामंदी से हुआ रिश्ता

रिंग सेरेमनी के बाद एक इंटरव्यू में शिवानी ने बताया था कि मेरा खेलों से कोई नाता नहीं रहा है। मैं शुरू से ही पढ़ाई में ध्यान रखती आई हूं। अब मेरा लक्ष्य आईएएस अफसर बनने का है। इसके लिए सेल्फ स्टडी कर रही हूं। मेरे पापा दीपक के पिता के साथ 5-6 साल से साथ में काम कर रहे हैं। दोनों परिवारों की रजामंदी से यह रिश्ता हुआ।

वार्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हराया

मुंबई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सोमवार को भारत ए का अमेरिका से नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में सामना हुआ। इस मैच में भारतीय ए टीम ने 38 रनों से शानदार जीत दर्ज की। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के आगाज में अब चार दिन का समय शेष है। सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए वॉर्म-अप मैच में भारत ए ने अमेरिका को 38 रन से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय ए टीम ने नारायण जगदीशन के शतक और आयुष बदोनी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। जवाब में अमेरिका की टीम 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 200 रन ही बना सकी। भारत के लिए रवि बिश्नोई ने तीन विकेट हासिल किए जबकि खलील अहमद और नमन धीर को एक-एक सफलता प्राप्त हुई।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतते ही अल्काराज का बड़ा फैसला

रॉटरडैम ओपन से हटे

रॉटरडैम (एजेंसी)। नए ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने फरवरी में होने वाले एबीएन एमरो रॉटरडैम ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

खिताब बचाने नहीं लौटेंगे अल्काराज- स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज पिछले सीजन में इस एटीपी 500 इनडोर हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे। हालांकि, एटीपी वेबसाइट के मुताबिक 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस टूर्नामेंट में वह अपने खिताब की रक्षा नहीं करेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत के बाद लिया फैसला- 22 वर्षीय अल्काराज ने यह फैसला उस ऐतिहासिक उपलब्धि के ठीक एक दिन बाद लिया, जब उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बनाया। रविवार को खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उन्होंने नोवाक जोकोविच को चार सेट में हराकर मेलबर्न में अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था।

जश्न में भी दिखे अल्काराज- सोमवार को अल्काराज ने मेलबर्न के रॉयल एग्ज़िबिशन बिल्डिंग में आयोजित एक सेलिब्रेशन फोटोशूट में भी हिस्सा लिया, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत का जश्न मनाया गया।

भारत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

2027 एशियन शूटिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को शूटिंग खेल में एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी मिली है। एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन (एएससी) घोषणा की है कि भारत 2027 एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसमें लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए 8 कोटा स्थान दांव पर होंगे।

दिसंबर 2027 में होगा आयोजन- यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 1 से 10 दिसंबर 2027 तक डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा।

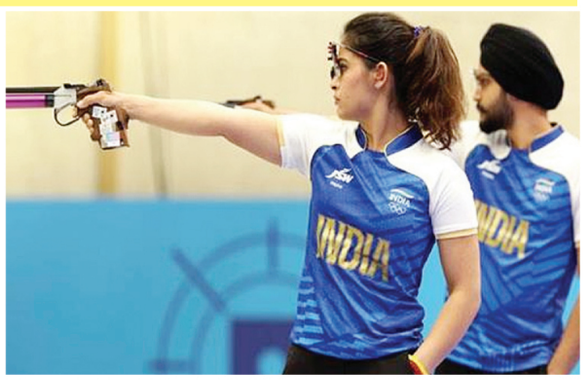

एलए ओलंपिक 2028 के लिए अहम मौका

एशियन शूटिंग कॉन्फेडरेशन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस चैंपियनशिप का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इसमें एशिया महाद्वीप के लिए 8 ओलंपिक कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे। ये कोटा आमतौर पर राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों को दिए जाते हैं, जबकि ओलंपिक रैंकिंग या यूनिवर्सैलिटी कोटा खिलाड़ियों के नाम पर आवंटित होते हैं।

भारत से तेल खरीद रोकने के संबंध में कोई संदेश नहीं मिला है : रूस

» मॉस्को, भाषा।

रूस को भारत से रूसी तेल खरीद रोकने के संबंध में कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को यह बात कही। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका और संभवतः वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा, हमें इस मामले पर नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी मीडिया की खबरों के अनुसार, क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूस हर संभव तरीके से भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखने का इरादा रखता है।

रूस के ऊर्जा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि उन्हें भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से अनुबंध रद्द करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। सोमवार को मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत अमेरिका जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। पिछले साल ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए थे, जो दुनिया में किसी भी देश पर सबसे ज्यादा शुल्क था। इनमें रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल था। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदता है, जिसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है। वर्ष 2021 तक भारत द्वारा आयात किए गए कुल कच्चे तेल में रूसी तेल का हिस्सा मुश्किल से 0.2 प्रतिशत था। विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश भारत, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मॉस्को से दूरी बनाने के बाद रियायती रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी के पहले तीन हफ्तों में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जबकि पिछले महीने यह औसतन 12.1 लाख बैरल प्रति दिन था और 2025 के मध्य में आयात 20 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक होने का अनुमान था। केप्लर के अनुसार, इराक अब रूस के लगभग बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जो दिसंबर 2025 में औसतन 9,04,000 बैरल प्रति दिन से ज्यादा है। सऊदी अरब से भी तेल का उत्पादन जनवरी में बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रति दिन हो गया, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रति दिन और अप्रैल 2025 में 5,39,000 बैरल प्रति दिन के निचले स्तर पर था।

अमेरिकी मध्यस्थता वाली वार्ता से पहले रूस ने यूक्रेन पर तेज किए हमले

कीव, भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस ने देर रात एक बड़े हमले में यूक्रेन पर लंबी दूरी के लगभग 450 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 70 मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में अमेरिका की मध्यस्थता से होने वाली वार्ता में भाग लेने वाले हैं, जिसका उद्देश्य लगभग चार साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करना है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के कम से कम पांच क्षेत्रों पर बमबारी का निशाना विशेष रूप से बिजली ग्रिड था। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, रूस के लिए कूटनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण लोगों को आर्तकित करना है। उन्होंने सहयोगी देशों से अधिक हवाई रक्षा आपूर्ति भेजने और रूस पर अधिकतम दबाव डालने का आग्रह किया ताकि वह 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुए युद्ध को समाप्त कर दे। अबू धाबी में वार्ता बुधवार और बृहस्पतिवार को होनी है। रूस ने बिजली संयंत्रों, सबस्टेशन, ट्रांसफार्मर, टर्बाइन और जनरेटर को निशाना बनाकर यूक्रेन के बिजली नेटवर्क को नष्ट करने का प्रयास किया है। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी बिजली कंपनी डीटीईके ने कहा कि अक्टूबर से अब तक हुए नौवें बड़े हमले में उसके थर्मल पावर प्लांट को निशाना बनाया गया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि सुबह होते-होते राजधानी की।,170 अपार्टमेंट इमारत में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो गई। रूस ने यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खारकीव क्षेत्र और दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र पर भी हमले किए।

ईरानी सरकार की हिंसक कार्रवाई के बाद अमेरिका के साथ तनाव बढ़ा

ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत करने का निर्देश दिया

» दुबई, भाषा।

ईरान के राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह तेहरान की ओर से अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि वह वाशिंगटन के साथ बातचीत की कोशिश करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पिछले महीने देशभर में हुए प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार की हिंसक कार्रवाई के बाद अमेरिका के साथ तनाव काफी बढ़ गया है। यह घोषणा सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के रुख में एक बड़ा बदलाव मानी जा रही है।

बीते कुछ हफ्तों से वह ईरानी जनता को चेतावनी दे रहे थे कि देश में हालात उनके नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। यह बयान इस बात का भी संकेत देता है कि उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई का समर्थन मिला है, जिन्होंने पहले ऐसे किसी भी संवाद को खारिज कर दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान और अमेरिका किसी समझौते तक पहुंच पाएंगे या नहीं, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत की किसी भी प्रक्रिया में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी प्रमुख मांगों में शामिल कर रखा है। ट्रंप ने जून में इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के आदेश दिए थे। पेजेशकियान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अंग्रेजी और फ़ारसी में लिखा कि यह फैसला क्षेत्र के मित्र देशों की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति के बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध पर लिया गया है। उन्होंने कहा, मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि यदि उपयुक्त माहौल हो यानी धमकियों और अनुचित अपेक्षाओं से मुक्त वातावरण, तो वह गरिमा, विवेक और दूरदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ने अभी यह स्वीकार नहीं किया है कि इस तरह की कोई बातचीत होने जा रही है।

चाइल्ड पोर्न और डीपफेक जांच के संबंध में एक्स के कार्यालयों पर छापेमारी

पेरिस, भाषा। पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी। यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित मिलीभगत की जांच कर रही है। बयान के अनुसार, अभियोजकों ने एलन मस्क और एक्स की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है। इस संबंध में एक्स के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एक्स पर छापेमारी की पुष्टि की। इसने कहा कि वह इस मंच को छोड़ रहा है और फॉलोअर्स से भी अपील है कि वे किसी दूसरे सोशल मीडिया मंच से जुड़ें। अभियोजकों ने एक बयान में कहा, इस चरण में, जांच एक सकारात्मक सोच पर आधारित है, जिसका मकसद यह पक्का करना है कि एक्स फ्रांसीसी कानून का पालन करे, क्योंकि यह देश की सीमा के अंदर काम करता है। यह जांच सबसे पहले एक फ्रांसीसी सांसद की रिपोर्ट के बाद शुरू की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक्स पर मौजूद पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम द्वारा एक ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम के कामकाज को प्रभावित किए जाने की संभावना है। बयान में कहा गया कि बाद में इन अतिरिक्त रिपोर्ट के बाद इसका दायरा और बढ़ गया कि एक्स के एआई चैटबॉट ग्रोक ने कथित तौर पर यहूदी नरसंहार की बात से इनकार किया और यौन सामग्री सबंधी डीपफेक का प्रसार किया।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका ने बहुपक्षीय नौसैन्य अभ्यास के लिए जंगी जहाज भारत रवाना किया

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

दक्षिण अफ्रीकी नौसेना का जंगी जहाज एसएएस अमाटोला भारत के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तैनाती पर रवाना हो गया है, जहां यह भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित 2026 अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा और अभ्यास मिलन में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करेगा। रविवार को जहाज के रवाना होने के बाद दक्षिण अफ्रीकी नौसेना ने एक बयान में कहा, एसएएस अमाटोला की भारत यात्रा कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। बयान में कहा गया है, यह तैनाती दक्षिण अफ्रीका की समुद्री रणनीति के लिए एक अहम पड़ाव है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में बहुपक्षीय नौसैनिक सहयोग में सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में दक्षिण अफ्रीकी नौसेना की भूमिका की पुष्टि करती है।

यह लंबे समय के बाद दूरस्थ तैनातियों की एक संतुलित वापसी को भी दर्शाती है, जिसे सावधानीपूर्वक योजना, अनुशासित प्राथमिकताओं और पेशेवर संकल्प के साथ अंजाम दिया गया है। दक्षिण अफ्रीकी नौसेना के अनुसार, इस तैनाती में भारतीय नौसेना की अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आईएफआर) और अभ्यास मिलन में भागीदारी शामिल है। यह एक बड़ा बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास है, जिसका उद्देश्य आपसी समन्वय, समुद्री सुरक्षा अभियानों और भागीदार देशों के बीच रणनीतिक संवाद को मजबूत करना है। बयान में कहा गया है कि इन आयोजनों में कई देशों की नौसेनाएं भाग लेती हैं और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, स्थिरता और सहयोग की साझा जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

कनाडाः घर के बाहर गोलीबारी के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

» ओटावा, भाषा।

कनाडा पुलिस ने एक घर के बाहर गोलीबारी करने के आरोप में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। सरे पुलिस सेवा (एसपीएस) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि हरजोत सिंह (21), तरनवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) पर गोलीबारी करने का आरोप है और सभी को बृहस्पतिवार तक के लिए हिरासत में भेज दिया गया है। लेकलैंड टुडे की खबर के अनुसार, सरे के क्रिसेंट बीच इलाके में एक घर के बाहर गोलीबारी और मामूली आग लगने की सूचना मिलने के बाद गश्ती दल ने संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पुलिसकर्मी एक फरवरी को सरे के क्रिसेंट बीच इलाके में गश्त कर रहे थे कि तभी क्रिसेंट रोड और 132 स्ट्रीट के पास एक घर के बाहर गोलीबारी और आग लगने की सूचना मिली।

बयान में बताया गया कि कुछ ही समय बाद पुलिस अधिकारियों ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की अपराध शाखा ने तीनों आरोपियों पर आपराधिक संहिता के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और मुकदमे में अन्य धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपियों को पांच फरवरी, 2026 तक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने सभी के विदेशी नागरिक होने की पुष्टि की और उसने कनाडा सीमा सेवा एजेंसी से संपर्क किया है।

भारत के साथ समझौते से अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ेगाः अमेरिकी सांसद

» न्यूयार्क, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ घोषित व्यापार समझौते से अमेरिका के कृषि उत्पादों का विशाल भारतीय बाजार में निर्यात होगा और यह समझौता रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने में भी मदद करेगा। अमेरिकी सांसदों ने यह बात कही। सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष सीनेटर जिम रिश ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, भारत के साथ आज के व्यापार समझौते की शानदार उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई।

उन्होंने भारत को अमेरिका का एक करीबी साझेदार बताते हुए कहा, इस नए समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी सामान खरीदने का संकल्प लिया है। यह अमेरिका को रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने और रूसी ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत के समर्थन को कम करके यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को खत्म करने में मदद करेगा। अमेरिका की कृषि सचिव ब्रुक रॉलिन्स ने अमेरिकी किसानों के लिए एक बार फिर काम करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, नया अमेरिका-भारत समझौता भारत के विशाल बाजार में अधिक अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात करेगा, जिससे कीमतें बढ़ेंगी और ग्रामीण अमेरिका में नकदी का प्रवाह होगा।

मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत इजराइल में लगाए गए 300 पौधे, यहूदी उत्सव का भी जश्न

» नेवातिम (इजराइल), भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत इजराइल के मोशाव नेवातिम में कम से कम 300 पौधे लगाए गए और पर्यावरणीय जागरुकता का पर्व तू बिश्वात भी मनाया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय दूतावास द्वारा इजराइल की गैर-लाभकारी संस्था केरेन कायमेट लेइजराइल और कृषि आधारित बस्ती मोशाव नेवातिम के सहयोग से किया गया था।

जो भारत और इजराइल के बीच पर्यावरणीय स्थिरता, सामुदायिक भागीदारी और लोगों के बीच संबंधों के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम के बाद जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इस अवसर पर इजराइल के पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय के महानिदेशक रामी रोजेन, इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह और बनेई शिमोन क्षेत्रीय परिषद के प्रमुख निर ज़मीर उपस्थित रहे। तीनों ने भारत और इजराइल की पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। राजदूत जेपी सिंह ने कहा, तू बिश्वात और एक पेड़ मां के नाम दोनों ही पहलें पेड़ों को सामुदायिक सहभागिता और सतत जीवनशैली के केंद्र में रखती हैं। ये साझा परंपराएं भारत और इजराइल के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों को दर्शाती हैं तथा यह रेखांकित करती हैं कि हमारे दोनों देश प्रकृति, समुदाय और साझा मूल्यों को कितना महत्व देते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ए पेड़ भारत-इजराइल मित्रता के स्थाई प्रतीक बनेंगे और इस संबंध को आने वाली पीढ़ियों तक आगे बढ़ाएंगे। सम्मानित अतिथियों ने भारत-इजराइल की मजबूत रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख करते हुए वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों की धरती माता की रक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया। रामी रोजेन ने कहा, आज का आयोजन इजराइल और भारत के घनिष्ठ संबंधों का प्रतीक है। दोनों देश विशेष रूप से जलवायु और पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। नवाचार की साझा आकांक्षा के साथ-साथ हम यह भी मानते हैं कि प्रकृति की रक्षा करना जीवन की रक्षा का अभिन्न हिस्सा है। मोशाव नेवातिम की स्थापना कोच्चि से आए भारतीय यहूदियों ने की थी और आज भी यहां उनकी विरासत जीवित है, जिसमें पारंपरिक कोचीन शैली में बना एक आराधनालय शामिल है। यहां भारत यहूदी विरासत केंद्र भी स्थित है, जो भारत के यहूदियों की परंपराओं और मूल्यों को संजोए हुए है।

पाकिस्तान में पोलियो टीम पर हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर, भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीकाकरण टीम को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की जिसमें टीम की सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले की मीर अली तहसील में हुई। हमले के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और पूरे इलाके की घेराबंदी की। क्षेत्र में हमलावरों की तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया है। पाकिस्तान में पिछले एक दशक में पोलियो कर्मियों और उनकी सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर बार-बार हमले हुए हैं, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा के कुछ हिस्सों में। इन खतरों के बावजूद, सरकार कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच देशव्यापी पोलियो अभियान जारी रखे हुए है।

क्लिंटन दंपति ने एपस्टीन मामले में सदन के समक्ष गवाही देने पर सहमति जताई

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े एक मामले में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में गवाही देने पर सोमवार देर रात सहमति जताई। हालांकि, इस जांच का नेतृत्व कर रहे रिपब्लिकन सांसद ने कहा कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है। सदन की निगरानी समिति के अध्यक्ष एवं रिपब्लिकन सांसद जेम्स कॉमर सोमवार शाम तक क्लिंटन दंपति के खिलाफ कांग्रेस की अवमानना की कार्यवाही आगे बढ़ा रहे थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने कांग्रेस के समन की अवहेलना की।

इसी दौरान क्लिंटन दंपति के वकीलों ने समिति को ईमेल भेजकर कहा कि दोनों कॉमर की मांगें स्वीकार करेंगे और तय तारीखों पर बयान दर्ज कराने के लिए पेश होंगे। वकीलों ने यह भी अनुरोध किया कि अवमानना की कार्यवाही आगे न बढ़ाई जाए। वहीं कॉमर ने कहा कि वह फिलहाल आरोप वापस नहीं ले रहे हैं। यदि ए आरोप सदन में पारित होते हैं और न्याय विभाग द्वारा सफलतापूर्वक मुकदमा चलाया जाता है, तो इसके तहत भारी जुर्माना और यहां तक कि जेल की सजा का भी प्रावधान है। यह अंतिम समय की बातचीत ऐसे समय हुई जब रिपब्लिकन नेता अवमानना प्रस्ताव को सदन की एक समिति के जरिए आगे बढ़ा रहे थे। यह कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है, क्योंकि पहली बार किसी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू कर उन्हें जेल भेजने की आशंका पैदा हो सकती है। इससे पहले, कॉमर ने क्लिंटन के वकीलों के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, जिसमें बिल क्लिंटन से लिखित रूप में बयान दर्ज कराने और हिलेरी क्लिंटन से शपथपत्र देने की बात कही गई थी। कॉमर का कहना था कि दोनों को समिति के सामने पेश होकर बयान देना होगा। रिपब्लिकन सांसदों के अनुसार, एपस्टीन जांच में पूरी पारदर्शिता जरूरी है। वहीं, डेमोक्रेट नेताओं ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया को राजनीतिक बदले के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

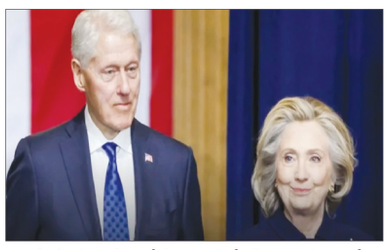

नॉर्वे की युवराज्ञी के बेटे ने बलात्कार के आरोपों को स्वीकार नहीं किया

ओस्लो, भाषा। नॉर्वे की युवराज्ञी (क्राउन प्रिंसेज) के बेटे ने एक अदालत में सुनवाई के दौरान मंगलवार को बलात्कार के आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। उनतीस वर्षीय मारियस बोर्ग होइबी, युवराज्ञी मेटे-मारिट के पिछले रिश्ते से सबसे बड़े बेटे और सिंहासन के उत्तराधिकारी युवराज हाकॉन के सौतेले बेटे हैं। होइबी के पास कोई शाही उपाधि या आधिकारिक ड्यूटी नहीं है। अभियोजक स्टर्ला हेनरिकस्बो ने ओस्लो जिला अदालत में होइबी के खिलाफ 38 आरोप पढ़कर सुनाए और उनसे पूछा कि क्या वह अपना अपराध स्वीकार करते हैं। उन्होंने बलात्कार के चार मामलों सहित सभी गंभीर आरोपों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। आरोपों में एक पूर्व साथी का उत्पीड़न, अन्य के खिलाफ हिंसा और 3.5 किलोग्राम मारिजुआना की तस्करी शामिल है। अन्य आरोपों में जान से मारने की धमकी देना और यातायात नियमों का उल्लंघन करना शामिल है। हालांकि होइबी ने कई वाहन संबंधी अपराध, एक गंभीर मादक पदार्थ अपराध और एक प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन के साथ-साथ धमकी और गंभीर हमले के आरोप को आंशिक रूप से स्वीकार किया। अभियोजकों ने कहा है कि अगर होइबी मुकदमे में दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 10 साल तक की जेल हो सकती है। मुकदमे की सुनवाई 19 मार्च तक चल सकती है। सात कथित पीड़ितों के भी गवाही देने की उम्मीद है।

निर्णायक परीक्षण के दौरान ईंधन के रिसाव की समस्या

नासा अब मार्च में अपने चंद्र रॉकेट को प्रक्षेपित करेगा

» केप केनरवल (अमेरिका), भाषा।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले किए गए निर्णायक परीक्षण के दौरान ईंधन के रिसाव की समस्या आने के कारण अब वह अपने नए चंद्र रॉकेट को मार्च में प्रक्षेपित करेगी। नासा ने एक बयान में कहा कि प्रक्षेपण में देरी होने से अब उड़ान परीक्षण से पहले डेटा की समीक्षा करने और दूसरा पूर्वाभ्यास करने का मौका मिलेगा। ये रिसाव सोमवार को कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में ईंधन भरने की लंबी प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर हुए।

नासा ने कहा कि इस उड़ान के लिए चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग दो सप्ताह के पृथकवास से बाहर निकाल लिया जाएगा। नासा ने कहा कि चंद्रमा की परिक्रमा के लिए अगली उड़ान के समय से लगभग दो सप्ताह पहले उन्हें फिर से पृथकवास में रखा जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसी ने मार्च में आधिकारिक प्रक्षेपण लक्ष्य के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। इसने कहा कि जांच से प्राप्त डेटा की पूरी तरह से समीक्षा करने, प्रत्यक समस्या का समाधान करने और परीक्षण पर वापस लौटने की आवश्यकता है।

सोमवार को दोपहर के समय प्रक्षेपण नियंत्रकों ने 322 फुट (98 मीटर) लंबे रॉकेट में अत्यधिक शीतल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन भरना शुरू किया। टंकियों में 7 लाख गैलन (26 लाख लीटर) से अधिक ईंधन भरा जाना था। लेकिन रॉकेट के निचले हिस्से में हाइड्रोजन की मात्रा बहुत अधिक हो गई। हाइड्रोजन भरने की प्रक्रिया को कम से कम दो बार रोकना पड़ा क्योंकि प्रक्षेपण दल ने 2022 की पिछले अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली से संबंधित उलटी गिनती के दौरान विकसित तकनीकों का उपयोग करके समस्या का समाधान ढूंढने का प्रयास किया। उस उड़ान परीक्षण में हाइड्रोजन रिसाव की समस्या थी और अंततः वह बिना चालक दल के ही उड़ान भरने में सफल रही। नासा ने अपने बयान में यह भी बताया कि परीक्षण के दौरान ग्राउंड क्रू के संचार में ऑडियो में बार-बार रुकावट की समस्या भी आई। इस मिशन के लिए नामित चार अंतरिक्ष यात्रियों - तीन अमेरिकी और एक कनाडाई - ने लगभग।,000 मील (1,600 किलोमीटर) दूर ह्यूस्टन स्थित जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र से महत्वपूर्ण पूर्वाभ्यास की निगरानी की। नासा ने पिछली बार 1960 और 1970 के दशक के अपोलो कार्यक्रम के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजा था। नए आर्टेमिस कार्यक्रम का लक्ष्य चंद्रमा पर अधिक स्थाई उपस्थिति स्थापित करना है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com